हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 15 नवंबर 2026



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

धरती आबा भगवान
बिरसा मुंडा जी की
जयंती पर शत् शत् नमन





जनजातीय गौरव दिवस



मुख्य अतिथि

श्री नितिन नवीन
माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

जनजातीय गौरव दिवस

15 नवंबर 2026 | समय - प्रात: 9 बजे | दशहरा मैदान, धरमजयगढ़ जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन)

1,544 जनजातीय ग्रामों में 11 विकास गतिविधियों से **56,569** परिवार लाभान्वित

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

6,691 जनजातीय ग्रामों में 25 विकास गतिविधियों से **11 लाख** से अधिक परिवार लाभान्वित

₹60
हजार करोड़
की राशि से जनजातीय क्षेत्रों का उत्थान एवं विकास

महिला उत्थान

महतारी वंदन योजना
19.89 लाख से अधिक जनजातीय महिलाओं के खाते में **₹629.64** करोड़ से अधिक राशि अंतरित

पक्की छत का निर्माण

9.86 लाख जनजातीय परिवारों को मिले पक्के आवास

वन अधिकार से सशक्तीकरण

4.88 लाख से अधिक व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र,
46,868 सामुदायिक वन अधिकार पत्र और
4,412 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र वितरित

जनजातीय उत्थान
विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण



श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री किरण सिंह देव
माननीय प्रदेश अध्यक्ष
भाजपा छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

#Rajesh

भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़





श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जनजातीय गौरव दिवस

मुख्य अतिथि

श्री नितिन नवीन

माननीय राज्यसभा सांसद

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर शत् शत् नमन

15 नवंबर 2026

समय - प्रात: 9 बजे

दशहरा मैदान, धरमजयगढ़
जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

समावेशी विकास एवं उत्थान

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से **6,691** गांवों के **11 लाख** से अधिक परिवार और **पीएम-जनमन** से **1,544** गांवों के **56,569** परिवार लाभान्वित

संस्कृति और विरासत का संरक्षण

₹50 करोड़ की लागत से शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निर्माण



महिला सशक्तीकरण

19.89 लाख से अधिक जनजातीय महिलाओं को **₹629.64** करोड़ अंतरित मिल रहा **महतारी वंदन योजना** का लाभ

सुरक्षित भविष्य की आधारशिला

75 एकलव्य और **14 प्रयास** आवासीय विद्यालय संचालित, **34 हजार** से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन

9.86 लाख जनजातीय परिवारों को **पक्के आवास**

वन अधिकारों से सशक्तीकरण

4.88 लाख से अधिक व्यक्तिगत, **46,868** सामुदायिक और **4,412** सामुदायिक वन संसाधन **अधिकार पत्र वितरित**

समृद्धि । सम्मान । सर्वांगीण विकास

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹102339/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹124990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹136438/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
anand jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 15 नवंबर 2026



नगर-निगम की टीम की मदद से नष्ट कराया, भोपाल से आर्डर पर ट्रेन से रायपुर आया

हरिभूमि-आईएनएच की सूचना पर पकड़ा 3 क्विंटल नकली पनीर

छत्तीसगढ़ में भले ही नकली (एनालॉग) पनीर नहीं बन रहा हो मगर दूसरे राज्यों से मंगाकर इसे खपाने का दौर थमा नहीं है। हरिभूमि-आईएनएच की सूचना खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन में 300 किलो पनीर पकड़ा है। भोपाल से पहुंचे डेढ़ सौ किलो पनीर खुला था जबकि डेढ़ सौ के पैकेट मे 25 नवंबर यानी 10 दिन बाद की निर्माण तिथि अंकित थी। इसमें से डेढ़ सौ किलो का आर्डर अग्रोहा कालोनी के बालाजी इंटरप्राइजेस से हुआ था।

निर्माण की तारीख 25 की मिली, नष्ट किया गया



डेढ़ सौ किलो का आर्डर अग्रोहा कालोनी से

पकड़े गए पनीर के पैकेट बंद डेढ़ किलो का आर्डर अग्रोहा कालोनी के बालाजी इंटरप्राइजेस से भेजा गया था। इस संबंध में एफडीए की टीम को बिल भी प्राप्त हुए थी। पैकेट में निर्माण की तारीख आगे की थी इसलिए वह संदिग्ध था वहीं डेढ़ सौ किलो पनीर के ▶▶|शेष पेज 6 पर

16 से विशेष अभियान चलाएंगे

मैदानी अमले को इस बात की सख्त हिदायत दी गई है कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड में लगातार निगरानी की जाए। मामला पकड़े जाने पर कड़ा एक्शन लिया जाए। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए 16 नवंबर से अभियान भी चलाया जाएगा।

दीपक अग्रवाल, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

पनीर के संदिग्ध होने की वजह खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अभिहित अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने नगर-निगम का अमला बुलाकर पूरे 300 किलो पनीर को नष्ट करा दिया। इस पूरी कार्रवाई की सूत्रधार हरिभूमि-आईएनएच की टीम बनी। टीम को शुक्रवार की रात सूचना मिली थी कि भोपाल से अमरकंटक एक्सप्रेस से नकली पनीर की बड़ी खेप रायपुर आ रही है। हरिभूमि-आईएनएच की टीम ट्रेन के पहुंचने से पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम के साथ रेलवे स्टेशन पहुंच गई थी। अमरकंटक एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से थोड़ी लेट यहां आई और स्टापेज के बाद रवाना हो गई। इस दौरान निराश हो रही टीम को पता चला कि पनीर की खेप को प्लेटफार्म से किनारे माल गोदाम के समीप उतारा गया था। टीम तत्काल हरकत में ▶▶|शेष पेज 6 पर



लगभग 1500 किलो माल था, बच गए मुनाफाखोर

हरिभूमि टीम के सूत्रों के अनुसार ट्रेन से लगभग 30 पेटी यानी 1500 किलो नकली पनीर रायपुर और अन्य शहरों में सप्लाई करने रायपुर स्टेशन पर भेजा था। मुनाफाखोरों का शातिर गिरोह बाकी माल पिछले स्टेशन या रायपुर में किसी तरह उतार कर छिपाने में कामयाब हो गया। 300 किलो से ज़्यादा नकली पनीर ही हरिभूमि टीम और अधिकारियों के हाथ लग पाया, जिसे नष्ट किया गया। इस ▶▶|शेष पेज 6 पर

अब तक 3.50 लाख से अधिक का टोकन जारी

आज से धान खरीदी का आगाज, 1584 केंद्रों पर पहुंचेंगे 27.50 लाख किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू होने जा रही है। खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

खास खबर

प्रदेश के धान उपार्जन केंद्रों में तौल, बारदाना, धान के सुरक्षित भंडारण और परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। खरीदी प्रक्रिया में किसानों के पंजीयन और ऑनलाइन टोकन व्यवस्था को भी महत्वपूर्ण बनाया गया है। राज्य में इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से धान खरीदी का ▶▶|शेष पेज 6 पर



2023 से अब तक 35904 करोड़ रुपए का भुगतान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को धान का बेहतर मूल्य दिलाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2023 से खरीफ वर्ष 2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को कुल 35 हजार 904 करोड़ 90 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसमें खरीफ 2023 के लिए 13 हजार 289 करोड़ रुपये, खरीफ 2024 के लिए 11 हजार 976 करोड़ रुपये तथा खरीफ 2025 के लिए 10 हजार 639 करोड़ रुपये शामिल हैं। राज्य सरकार की धान खरीदी नीति में किसानों की सुविधा, समयबद्ध उपार्जन, पारदर्शी व्यवस्था और आर्थिक सुरक्षा को विशेष महत्व दिया गया है। प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की एक समान ▶▶|शेष पेज 6 पर

अवैध धान रोकने कड़ी निगरानी

मार्कफेड की खरीदी व्यवस्था में बारदानों की उपलब्धता, केंद्रों में तौल मशीन, नमी परीक्षण, समितियों का कम्प्यूटरीकरण, खरीदी केंद्रों का संचालन, परिवहन अनुबंध और धान के सुरक्षित भंडारण की अहम भूमिका है। खरीदी के बाद धान का उठाव कस्टम मिलरों के माध्यम से कराया जाता है। शेष धान को निर्धारित भंडारण केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था है, ताकि उपार्जन केंद्रों में जगह बनी रहे और खरीदी प्रभावित न हो। धान खरीदी के दौरान अवैध धान की आवक रोकने और वास्तविक किसानों से ही खरीदी सुनिश्चित करने के लिए निगरानी व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है।



बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रें के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रें में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

जनजातीय गौरव दिवस : राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक



जनजातीय गौरव दिवस
विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री
(छत्तीसगढ़)

हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

भारत की पहचान हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों से है। इस महान सांस्कृतिक विरासत को संजोने में हमारा जनजातीय समाज सदैव अग्रणी रहा है। हमारी जनजातीय परंपराओं के प्रति सम्मान है, सामाजिक समरसता और अपनी मातृभूमि के प्रति गहरा प्रेम है। जनजातीय गौरव दिवस केवल महान नायकों के बलिदान को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के समग्र योगदान को सम्मान देने का दिन है।

इस गौरवशाली परंपरा में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का नाम विशेष आदर के साथ लिया जाता है। भगवान बिरसा मुंडा सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक अस्मिता के ध्वजवाहक रहे हैं। उन्होंने अल्पायु में ही ब्रिटिश शासन की शोषणकारी नीतियों और मतांतरण के विरुद्ध आवाज उठाई। वर्ष 1899 में उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ उलगुलान अर्थात महाविद्रोह केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष नहीं था। वह जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के परंपरागत अधिकारों, स्वाभिमान और सम्मान की लड़ाई भी थी। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने अपना बलिदान दिया, उनके विचार आज भी देश को प्रेरित कर रहे हैं। हमारा देश जनजातीय वीरता और बलिदान की ऐसी अनेक गाथाओं से भरा हुआ है। संथाल विद्रोह के महानायक सिद्धो–कान्हू, वीरांगना फूलो–झानो, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती और अनेक जनजातीय नायकों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। छत्तीसगढ़ की धरती भी ऐसी महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। भूमकाल विद्रोह के महानायक वीर गुंडाधुर ने बस्तर में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित किया। हमारे इन नायकों ने स्वाभिमान, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी हमारी प्रेरणा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनजातीय समाज के इस महान योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान दिया है। उनके नेतृत्व में वर्ष 2021 को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मान्यता दी गई। यह ऐतिहासिक निर्णय जनजातीय नायकों के बलिदान और समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। आज देशभर में जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से नई पीढ़ी को अपने महान नायकों के जीवन और योगदान से परिचित कराया जा रहा है।

श्रद्धेय भारत रत्न अटल जी के नेतृत्व में ही जनजातीय बहुल छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्य का गठन हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की दूरदृष्टि से जनजातीय समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति के रूप में विराजमान हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय कल्याण की योजनाओं को भी नई दिशा मिली है। पीएम–जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं जनजातीय परिवारों तक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना



का लाभ पहुंचाया जा रहा है। पीएम जनमन योजना से छत्तीसगढ़ की विशेष पिछड़ी जनजातियों के 56 हजार 569 परिवार और धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान से 6 हजार 691 ग्राम लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्यों में डबल इंजन की सरकार बनाने में हमारे जनजातीय समाज के भाई–बहनों का बड़ा आशीर्वाद रहा। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में मोदी जी की गारंटी पर भरोसा करते हुए जनता ने भाजपा की सरकार बनाई और जनजातीय समाज के साधारण कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला।

माओवाद का सबसे अधिक दंश जनजातीय समाज ने झेला है। दुर्भाग्य से कई दशकों तक देश में राज करने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस हिंसक विचारधारा को समाप्त करने के लिये प्रभावी कदम नहीं उठाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तथा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाहजी ने माओवाद के विरूद्ध जिस तरह दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई उससे आज देश वामपंथी उग्रवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में सफल हुआ है। इसका सर्वाधिक लाभ जनजातीय क्षेत्रें के सर्वांगीण विकास के रूप में देखने को मिल रहा है। एक समय था जब बस्तर के अनेक गांव नक्सल हिंसा के कारण विकास से दूर रह गए थे। सड़कें नहीं थीं, स्कूल बंद थे और लोगों को सामान्य सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ता था। आज बस्तर में बदलाव का नया दौर शुरू हुआ है। नियद नेल्लानार एवं बस्तर मुन्ने जैसी पहल के माध्यम से दूरस्थ गांवों में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

बस्तर को देश का सबसे अग्रणी ट्राइबल संभाग बना रहे हैं। जनजातीय क्षेत्रों की प्रगति के लिए सड़क और रेल संपर्क का विस्तार भी आवश्यक है। बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक लगभग 140 किलोमीटर लंबी रेललाइन की परियोजना, जिसकी लागत लगभग 3 हजार 513 करोड़ रुपए है, क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेस वे से भी छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रें के विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर–धनबाद आर्थिक कॉरिडोर के अंतर्गत सड़क निर्माण से उत्तर छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जनजातीय क्षेत्रें में आजीविका के नए अवसर बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता है। तेंदूपत्ता संग्रहण, लघु वनोपज, वनोपज प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार जुड़े हुए हैं। हम इन पारंपरिक आजीविका के साधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। महिला स्व–सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी पहल जनजातीय युवाओं में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच दे रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल पर देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ।

1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री जी के करकमलों से नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक–सह–जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन हुआ। यह संग्रहालय हमारे पूर्वजों के संघर्ष, साहस और बलिदान की जीवंत गाथा है। जनजातीय समाज के साथ हमारे प्रधानमंत्री जी की आत्मीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इस बार दीपावली जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र बस्तर में जवानों के बीच मनाई।

मैंने जनजातीय समाज के संघर्ष को भी करीब से देखा है। वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़कर मुझे राष्ट्र के प्रति दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा मिली। वनवासी समाज के लोग सरल–सहज होते हैं, कई बार देशविरोधी ताकतें इसका फायदा उठाती है। भगवान बिरसा मुंडा मतांतरण जैसी सामाजिक बुराई के विरूद्ध प्रेरणापुंज हैं। उनकी प्रेरणा से ही मैं स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी के नेतृत्व में मतांतरण के विरूद्ध अभियान का हिस्सा बना। छत्तीसगढ़ भांचा राम का ननिहाल है। माता शबरी के जूठे बेर यहीं भगवान राम ने वनवास के दौरान खाए। हमारी सरकार ने रामलला दर्शन योजना शुरू कर लोगों को रामलला के जन्मस्थली अयोध्या धाम की यात्रा को आसान बनाया।

आज हमारा दायित्व है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय और समान अवसरों के माध्यम से साकार करें। मुझे पूरा विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के समावेशी विकास को नई ऊंचाई मिलेगी। यही भगवान बिरसा मुंडा के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रदूषण के कारकों पर लगानी होगी लगाम !



व्यवस्था
सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

शहरों में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। न तो हमें शुद्ध हवा मिल पा रही है और न ही साफ पानी। हालात ऐसे हो गए हैं कि देश के कई बड़े शहरों में लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें, जगह-जगह जाम, हवा में धूल और जहरीला धुआं अब आम बात हो गई है। सवाल यह है कि आखिर शहरों को इस बदहाल स्थिति से कैसे बचाया जाए? दरअसल, प्रदूषण की समस्या का समाधान केवल सड़कें चौड़ी करने या नए फ्लाईओवर बनाने से नहीं होगा। हर घर में दो-दो गाड़ियां हैं, लेकिन सड़कें और सुविधाएं पहले जैसी ही हैं। सुबह और शाम एक ही समय पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर निकलते हैं। इससे जाम और प्रदूषण दोनों बढ़ते हैं। जरूरत इस बात की है कि लोगों को सार्वजनिक परिवहन के बेहतर विकल्प दिए जाएं। छोटी दूरी के लिए पैदल चलने तथा साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले। यदि बाजार, स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाएं घर के आसपास उपलब्ध हों तो छोटी-छोटी जरूरतों के लिए वाहन निकालने की मजबूरी भी कम होगी। इसके साथ ही कार्यालयों के समय में बदलाव और वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देना चाहिए। इससे सड़कों पर एक साथ वाहनों का दबाव कम होगा। कुल मिलाकर शहरों को बचाने के लिए केवल वाहनों की संख्या नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और आदतों में भी बदलाव जरूरी है। प्रदूषण की दूसरी बड़ी समस्या नदियों और जलस्रोतों की लगातार बिगड़ती स्थिति है। देश की राजधानी दिल्ली में यमुना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हाल ही में यमुना के पानी को साफ दिखाने के लिए रसायन के इस्तेमाल को लेकर भी विवाद हुआ। इसके बाद मछलियों और अन्य जलीय जीवों के मरने की खबरें सामने आईं। घाटों पर पाइप के जरिये साफ पानी भरने की व्यवस्था किए जाने के आरोप भी लगे। ऐसे अस्थायी उपायों से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सबसे जरूरी है कि नालों और सीवर का गंदा पानी तथा कारखानों से निकलने वाला रासायनिक कचरा नदी में गिरने से रोका जाए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि इसी नदी के पानी पर दिल्ली की बड़ी आबादी की जलापूर्ति निर्भर करती है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए भी सरकार और प्रशासन को गंभीरता दिखानी होगी। दिल्ली-एनसीआर में हर साल सर्दियों के दौरान प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसके पीछे पराली जलाना, वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाना और पटाखे जैसे कई कारण हैं। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। त्योहारों के दौरान पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है। हाल के वर्षों में दिल्ली में पटाखों को लेकर मिली ढील का असर हवा की गुणवत्ता पर दिखाई दिया। इसके अलावा कई इलाकों में खुलेआम कचरा और कबाड़ जलाया जाता है। रात के अंधेरे में होने वाली ऐसी गतिविधियों से निकलने वाला जहरीला धुआं लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। स्थानीय पुलिस, प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों, एनजीटी और आरडब्ल्यूए को मिलकर ऐसी घटनाओं पर नजर रखनी चाहिए। इसी तरह लगातार हो रहे निर्माण कार्यों पर भी नियंत्रण जरूरी है। निर्माण स्थलों पर धूल रोकने के नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए। खासकर प्रदूषण के लिहाज से संवेदनशील महीनों में अनावश्यक निर्माण कार्यों पर रोक और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़कों और खाली स्थानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। चौड़ी सड़कों के किनारे पौधारोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने से भी पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना भी प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार इस दिशा में प्रयास कर रही है, लेकिन आम लोगों को इसके प्रति और जागरूक करने की जरूरत है। सब्सिडी और अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिलना चाहिए। साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों पर निर्भरता धीरे-धीरे कम करनी होगी। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को इतना सुविधाजनक बनाना होगा कि लोग निजी वाहन छोड़ने के लिए खुद तैयार हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदूषण से लड़ाई केवल सरकार के भरोसे नहीं जीती जा सकती। केंद्र और राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, लेकिन नागरिकों को भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना, कचरा नहीं जलाना, पानी की बर्बादी रोकना, पेड़ लगाना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना हमारी रोजमर्रा की आदतों में शामिल होना चाहिए। प्रदूषण के कारणों की पहचान करना और उन पर समय रहते प्रभावी रोक लगाना ही इसका स्थायी समाधान है। केवल तात्कालिक उपायों और घोषणाओं से शहरों को साफ-सुथरा नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए सरकार, प्रशासन और नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। आखिर स्वच्छ हवा और साफ पानी किसी सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि हर नागरिक का अधिकार है।

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना जरूरी है। किसानों को पराली के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीक और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे इसे जलाने के लिए मजबूर न हों। पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती जरूरी है।

जनजातीय समाज के सम्मान से ही सशक्त भारत



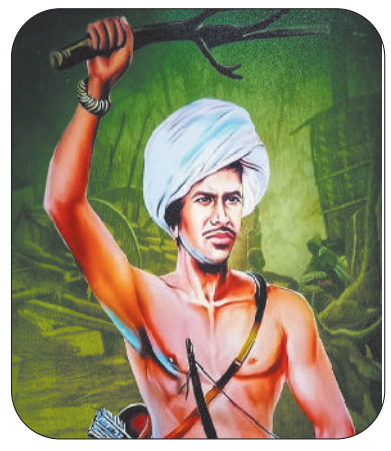
जनजातीय गौरव दिवस
कर्मवीर सिंह

जल, जंगल और जमीन की रक्षा से लेकर सामाजिक जागरण और राष्ट्र के स्वाभिमान तक, भगवान बिरसा मुंडा का जीवन भारतीय इतिहास की ऐसी प्रेरणागाथा है, जो आज भी देश को दिशा दिखाती है। भारत की सभ्यता और संस्कृति की जड़ें जितनी प्राचीन हैं, उतनी ही समृद्ध हमारी जनजातीय परंपराएं भी हैं। भारतीय इतिहास में जनजातीय समाज का योगदान केवल अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि देश की स्वतंत्रता, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुर्भाग्यवश, इतिहास के अनेक पन्नों में इन महानायकों के संघर्ष और बलिदान को वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसके वे वास्तविक रूप से हकदार थे। इसी ऐतिहासिक योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान दिलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है जनजातीय गौरव दिवस, जिसे प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को मनाया जाता है। वर्ष 2021 में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह दिन केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि देश के करोड़ों जनजातीय नागरिकों के स्वाभिमान, अस्मिता और गौरव को नमन करने का दिन है।

15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा का जीवन असाधारण संघर्ष और अदम्य साहस की मिसाल है। उनके पिता सुगना मुंडा और माता करमी हातू ने आर्थिक कठिनाइयों के बीच उनका पालन-पोषण किया। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि और सामाजिक चेतना से संपन्न बिरसा मुंडा ने बहुत कम उम्र में यह समझ लिया था कि आदिवासी समाज की सबसे बड़ी चुनौती उसकी जमीन, संस्कृति और पारंपरिक अधिकारों पर बढ़ता बाहरी हस्तक्षेप है।

उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित किया, सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई और शिक्षा, स्वच्छता, नैतिकता तथा सांस्कृतिक चेतना का संदेश दिया। उनके अनुयायी उन्हें श्रद्धा से 'धरती आबा' अर्थात धरती के पिता कहकर पुकारते हैं। यह संबोधन उनके प्रति केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि अपनी धरती और समाज के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है।

'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' अर्थात हमारा देश, हमारा राज का उनका विचार आदिवासी स्वशासन, अधिकार और आत्मसम्मान की भावना का प्रतीक बन गया। यह आंदोलन केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह नहीं था, बल्कि अपनी पहचान, परंपरा, सामाजिक व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार की लड़ाई भी था। अंततः 9 जून 1900 को रांची जेल में मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका जीवन भले ही छोटा रहा, लेकिन उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ गया। उनके आंदोलन के बाद आदिवासी भूमि अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कानूनी बदलाव हुए। 1908 का



छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम इसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण परिणाम था। छत्तीसगढ़ की धरती भी जनजातीय वीरता और बलिदान की अनेक गाथाओं की साक्षी रही है। वीर नारायण सिंह और शहीद गुंडाधुर जैसे जननायकों ने अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष कर आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और स्वाभिमान की विरासत छोड़ी है।

बस्तर की गौरवशाली परंपराओं से लेकर सरगुजा की सांस्कृतिक विविधता तक, जनजातीय समाज ने अपनी पहचान और विरासत को जीवित रखा है। उनके पर्व, परंपराएं, सामुदायिक जीवन और प्रकृति के प्रति सम्मान हमें विकास का एक ऐसा दृष्टिकोण देते हैं, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और मानवीय संवेदनाएं साथ-साथ चलते हैं।आज आवश्यकता है कि जनजातीय समाज की इस समृद्ध विरासत को केवल सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, शोध, पर्यटन, कला और राष्ट्रीय विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए।

जनजातीय गौरव दिवस हमें अतीत के बलिदानों को याद करने के साथ-साथ वर्तमान की जिम्मेदारियों का भी एहसास कराता है। किसी समाज का वास्तविक सम्मान तभी संभव है, जब उसे समान अवसर, बेहतर शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हो।

आज जनजातीय क्षेत्रों में विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, वन अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन, स्थानीय युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ना तथा जनजातीय भाषाओं और परंपराओं का संरक्षण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

वर्तमान में मोदी सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और विकास, दोनों क्षेत्रों में अपने संकल्प के अनुरूप प्रयास कर रही है। आज देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे समय में केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि विकास की इस यात्रा में जनजातीय समाज की भागीदारी केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता और राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार के रूप में हो। जनजातीय समाज के युवाओं को शिक्षा, खेल, तकनीक, उद्यमिता, प्रशासन और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। साथ ही, जनजातीय महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी को भी मजबूती मिल रही है।

छत्तीसगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का 1 नवंबर 2025 को उद्घाटन भी इसी ऐतिहासिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह संग्रहालय उन अनेक जनजातीय नायकों के योगदान को सामने लाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया।

क्योंकि जनजातीय समाज का सम्मान केवल अतीत के बलिदानों को याद करने से नहीं, बल्कि वर्तमान में उनके अधिकारों की रक्षा और भविष्य में उनके सपनों को साकार करने से होगा।

यह हम सभी भारतीयों का दायित्व है कि जनजातीय गौरव दिवस पर हम ऐसा भारत बनाने का संकल्प लें, जहां विकास के साथ विरासत सुरक्षित रहे, आधुनिकता के साथ संस्कृति जीवित रहे और हर जनजातीय नागरिक को सम्मान, समान अवसर और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ने का अधिकार मिले।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें यही संदेश देता है—अपनी धरती से जुड़े रहिए, अपनी संस्कृति पर गर्व कीजिए और अपने अधिकारों एवं स्वाभिमान के लिए सदैव सजग रहिए।

जय धरती आबा !

-लेखक भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं।

जनजातीय खेल प्रतिभाओं को मिल रही नई पहचान



जनजातीय गौरव दिवस
अरुण साव

बस्तर के घने जंगलों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं का अपार भंडार है। यहां के युवाओं में साहस, जीवटता, शारीरिक क्षमता और संघर्ष का अद्भुत जज्बा है। अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिन्हें उचित प्रशिक्षण और खेल सुविधाओं के अभाव में अपनी क्षमता साबित करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। इन प्रतिभाओं को पहचान और आगे बढ़ने का मंच देना छत्तीसगढ़ के खेल विकास की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय खिलाड़ियों को स्थानीय प्रतियोगिताओं से लेकर राष्ट्रीय खेल मंचों तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है।

किसी खिलाड़ी की प्रतिभा उसकी भौगोलिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उसके प्रदर्शन और परिश्रम से आंकी जानी चाहिए। इसी सोच के साथ जनजातीय अंचलों में खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का विस्तार किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में आदिवासी उपयोजना के अंतर्गत खेल एवं युवा कल्याण विभाग के लिए 22 करोड़ 54 लाख रुपए का प्रावधान है। इसमें बस्तर और सरगुजा ओलंपिक के लिए पांच-पांच करोड़ रुपए, बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए तथा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए दो करोड़ 60 लाख रुपए शामिल हैं। युवा कल्याण गतिविधियों और राज्य युवा उत्सव के लिए भी दो-दो करोड़ रुपए की व्यवस्था है।

जनजातीय खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में नियमित अभ्यास, प्रशिक्षित मार्गदर्शन और उपयुक्त खेल मैदानों की उपलब्धता शामिल है। इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष सरगुजा, कांकेर, जशपुर और गरियाबंद में स्टेडियम निर्माण के लिए 35 करोड़ 32 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृतियां दी गई हैं। सरगुजा में संभाग स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम, कांकेर के सिंगारभाट और गरियाबंद में जिला स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम तथा जशपुर में फुटबॉल स्टेडियम विकसित किए जाएंगे। जशपुर में तीरंदाजी अकादमी के लिए 16 करोड़ रुपए का कार्यादेश जारी किया गया है। बस्तर खेल अकादमी के लिए चार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इन सुविधाओं के विकसित होने से जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी खेल क्षमता निखारने और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

जनजातीय खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें प्रतिस्पर्धा का अवसर देने की दृष्टि से बस्तर ओलंपिक एक महत्वपूर्ण पहल है। बस्तर संभाग के सात जिलों में 11 खेल विधाओं के अंतर्गत विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताएं दूरस्थ गांवों के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देती हैं। जो खिलाड़ी बड़े खेल आयोजनों तक आसानी से नहीं पहुंच पाते, उन्हें अपने क्षेत्र से आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी 'मन की बात' में बस्तर ओलंपिक का उल्लेख 'अनूठे ओलंपिक' के रूप में किया है। इसी तरह



सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से संभाग के छह जिलों में 12 खेल विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इन आयोजनों की वास्तविक उपलब्धि केवल विजेता चुनना नहीं, बल्कि उन प्रतिभाओं को सामने लाना है, जिनके पास हुनर तो है, लेकिन उसे प्रदर्शित करने के अवसर सीमित रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के रूप में सामने आया। देश के इस पहले आयोजन की मेजबानी प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं जनजाति समाज के सर्वप्रिय जननेता श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व मे छत्तीसगढ़ ने 25 मार्च से 3 अप्रैल 2026 तक रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में की। एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, मारोत्तोलन, तीरंदाजी, तैराकी और कुश्ती की सात खेल विधाओं ने जनजातीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने का राष्ट्रीय मंच दिया। प्रदेश के व्यक्तिगत स्पर्धाओं के पदक विजेताओं को स्वर्ण पदक पर दो लाख रुपए, रजत पर डेढ़ लाख रुपए और कांस्य पदक पर एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। ऐसे आयोजन जनजातीय खिलाड़ियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें उच्च स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धाओं के लिए प्रेरित करते हैं। जनजातीय अंचलों की बेटियों में भी खेल प्रतिभाओं की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्हें स्थानीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में भाग लेने और अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने के अधिक अवसर मिलें, इसके लिए महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए 76 लाख रुपए तथा ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं के लिए एक करोड़ छह लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। जनजातीय परिवारों की बेटियों को खेल के मैदान तक पहुंचने और अपनी पहचान बनाने के अवसर उपलब्ध कराना सामाजिक सशक्तीकरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

खेल जनजातीय युवाओं के जीवन में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। मैदान पर मिली सफलता उन्हें नई आकांक्षाओं से जोड़ती है। बस्तर ओलंपिक को राष्ट्र

बिलासपुर

रविवार 15 नवंबर 2026

कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी

वर्ष : 26, अंक : 234

पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 30.9

न्यून. 18.0

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

जनसहयोग से हिर्री मिडिल स्कूल के 232 बच्चे सीखेंगे एआई

दुर्ग जिले के हिर्री स्थित शासकीय मिडिल स्कूल में जनसहयोग से एआई की पढ़ाई और प्रशिक्षण की पहल शुरू की गई है। संभवतः जिले का यह पहला शासकीय मिडिल स्कूल है, जहां विद्यार्थियों को एआई से परिचित कराने के लिए अलग से लैब तैयार की गई है। पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर बनाई गई इस लैब में इंटरनेट और जरूरी सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। खास बात यह है कि लैब के संचालन पर हर महीने होने वाला खर्च भी शिक्षक और ग्रामीण मिलकर उठाएंगे। स्कूल के शिक्षक बच्चों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी दे रहे हैं। इसके अलावा निजी संस्थानों में कंप्यूटर की पढ़ाई कर रहे स्वयंसेवी युवा भी विद्यार्थियों को कंप्यूटर और एआई का प्रशिक्षण देंगे। स्कूल में 10 कंप्यूटर लगाए गए हैं। शाला विकास समिति के अध्यक्ष काशीराम साहू ने बताया कि बच्चों को नियमित रूप से कंप्यूटर और एआई से जुड़ी जानकारी दी जा रही है।

पहले कुछ स्कूलों में होगा ट्रायल

योजना को पहले कुछ चुनिंदा स्कूलों में प्रायोगिक तौर पर शुरू किया जाएगा। इसके परिणामों और अनुभवों के आधार पर इसे पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। विभाग की कोशिश है कि अगले छह महीने से एक साल के भीतर इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। वर्तमान में प्रदेश में करीब 20 हजार प्राथमिक और मिडिल स्कूल, 9 हजार हाईस्कूल और 3,197 हायर सेकंडरी स्कूल हैं। इन सभी स्तरों पर विद्यार्थियों को एआई की शिक्षा से जोड़ने की योजना है। हालांकि, इसके लिए स्कूलों में उपलब्ध कंप्यूटर, इंटरनेट और अन्य तकनीकी संसाधनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। निजी स्कूलों में पहले से ही एआई से जुड़ी पढ़ाई शुरू हो चुकी हैं।

सरकारी स्कूलों में होगी एआई की पढ़ाई शिक्षकों को मिलेगी आईआईटी से ट्रेनिंग

रुचि की अभिव्यक्ति के तहत शिक्षा विभाग ने शुरू की एजेंसी की तलाश, आईआईटी से प्रशिक्षण दिलाने की तैयारी, मंत्री गजेंद्र यादव ने हरिभूमि को दी जानकारी

अतुल अग्रवाल ⏭ दुर्ग

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में अब विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई कराई जाएगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, स्कूलों में एआई की कक्षाएं शुरू करने से पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों और एजेंसियों की मदद लेने की योजना है। शिक्षा विभाग ने रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के तहत एजेंसियों को आमंत्रित कर प्रक्रिया शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने हरिभूमि को बताया कि एजेंसियों से सुझाव लेकर एआई शिक्षा का प्रारूप तैयार किया जाएगा। प्रस्तावित योजना के तहत कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों को उनकी उम्र और कक्षा के अनुसार एआई की जानकारी दी जाएगी। कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को एआई ⏭शेष पेज 6 पर

अलग खबर

रुचि की अभिव्यक्ति के तहत एजेंसियों को किया आमंत्रित

स्कूलों में बच्चों को एआई की शिक्षा देने के लिए प्रयास शुरू किया गया है। इसके लिए सबसे पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना है। रुचि की अभिव्यक्ति के अंतर्गत एजेंसियों को आमंत्रित किया गया है। एजेंसियों से सुझाव लेकर यह समझने का प्रयास करेंगे कि इसे किस तरह शुरू किया जा सकता है। हमारा प्रयास है कि सरकारी स्कूलों के बच्चे भी एआई को जानें और समझें।

-गजेंद्र यादव, शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन



आईआईटी से ट्रेनिंग दिलाने की तैयारी

स्कूलों में एआई की पढ़ाई शुरू करने के लिए सबसे पहले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए आईआईटी भिलाई के अलावा आईआईटी दिल्ली, खड़गपुर और मुंबई जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से प्रशिक्षण दिलाने पर विचार किया जा रहा है। दिल्ली, हैदराबाद, पुणे और बेंगलुरु में काम करने वाली एआई एजेंसियों ने भी इस संबंध में शिक्षा विभाग से संपर्क किया है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को भविष्य की महत्वपूर्ण तकनीक से परिचित कराना है। एआई के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर जोर रहेगा, ताकि वे बदलती तकनीकी दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना

हरिभूमि

सुनहरा मौका

सुनिश्चित उपहार 2026

का सामान्य कूपन

कल के अंक में देखें।

खबर संक्षेप

उपराज्यपाल ने वैष्णो देवी मंदिर में मत्था टेका

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने



रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा किया और पूजा-अर्चना की। यह दौरा मंदिर परिसर में हालिया आतंकी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा किए जाने के एक दिन बाद हुआ है।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र को 30 साल की कैद

लंदन। ब्रिटेन में 27 वर्षीय भारतीय छात्र को 30 साल की जेल की सजा सुनाई गई। आरोपी लगातार ऑनलाइन माध्यमों से बच्चों या किशोरों को अपने विश्वास में लेकर उन्हें यौन शोषण के जाल में फंसाता रहा। बिलाल काजी को ऑनलाइन बाल यौन शोषण के कई अपराधों का दोष स्वीकार करने के बाद चेस्टर क्राउन अदालत में सजा सुनाई गई। काजी ने 10 से 15 साल की उम्र की लड़कियों का विश्वास जीतने के लिए सोशल मीडिया पर एक किशोर होने का नाटक किया था।

ईडी ने 1.22 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन के एक मामले की जांच



के तहत कर्नाटक लोक सेवा आयोग के निलंबित अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार, आयोग की पूर्व सदस्य बी. वी. गीता और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार की 1.22 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क कर ली हैं।

कार नहर के पुल से टकराई, तीन की मौत

कैथल। हरियाणा के कैथल में शनिवार तड़के एक कार के नहर के पुल से टकराने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब कार सवार अपने गांव करोड़ा लौट रहे थे। मृतकों की पहचान नवदीप (19), प्रदीप (27) और अजय (22) के रूप में हुई है, जबकि घायलों की पहचान साहिल, अर्जुन और नरेंद्र के रूप में की गई है। कार में सवार सभी छह युवक धान की कटाई का काम पूरा करने के बाद गांव लौट रहे थे।

कार्रवाई के दौरान कई जगह लाइव सट्टा, जुआ पैनल चलाते मिले

महादेव सट्टा एप के ऑपरेटरों पर कसा शिकंजा छह राज्यों के 33 ठिकानों पर सीबीआई की रेड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महादेव सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर का ओमान से भारत प्रत्यर्पण होने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने पैनल ऑपरेटरों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पिछले दिनों सीबीआई ने आधा दर्जन राज्य में 33 ठिकानों पर दबिश देकर सट्टा पैनल चलाने वाले ऑपरेटरों के नेटवर्क का पता लगाया। छापेमारी के दौरान पैनल ऑपरेटर कई जगह लाइव सट्टा और जुए के पैनल चलाते मिले।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने इन्हें मौके पर ही बंद कराया। कार्रवाई के दौरान मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस और कई दस्तावेज जब्त किए गए। छापे की कार्रवाई के दौरान पता चला कि दूसरे लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर सट्टे की रकम जमा की जाती थी। इसके बाद हवाला के जरिए पैसा विदेश भेजा जाता था। सीबीआई के मुताबिक यह कार्रवाई महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर की गई। उसे 1 नवंबर 2026 को ओमान से भारत लाया गया था। इसके बाद सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर रायपुर की विशेष अदालत से 8 दिन की पुलिस रिमांड ली थी। पूछताछ में ऐप चलाने के तरीके और देशभर में फैले पैनल ऑपरेटरों के नेटवर्क की सीबीआई को जानकारी मिली।

विदेश में बैठे लोगों की भूमिका की पड़ताल

केंद्रीय जांच एजेंसी अब अपनी जांच विदेश में बैठे अन्य आरोपियों, सट्टा नेटवर्क चलाने में मदद करने वालों और संबंधित सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। फरार आरोपियों को भारत लाने के लिए दूसरे देशों से कानूनी प्रक्रिया भी जारी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने लोगों को चेताया है कि ऑनलाइन सट्टा और जुआ गैरकानूनी है। किसी दूसरे व्यक्ति को सट्टेबाजी के लिए अपना बैंक खाता, सिम कार्ड या पहचान से जुड़े दस्तावेज देना भी अपराध है। ऐसा करने पर खाताधारक के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

हरिभूमि फॉलोअप


पीएमएलए कोर्ट से रिमांड मंजूर होने के बाद सौरभ चंद्राकर को ईडी ने अपने कब्जे में लिया

सीबीआई के बाद महादेव सट्टे के खिलाड़ी सौरभ पर अब ईडी का फंदा, होगी पूछताछ

दुबई में 236 करोड़ की प्रतिभूति प्रीज

190 ठिकानों पर छापे की कार्रवाई

तीन वर्ष पूर्व गैर जमानती वारंट

हरिभूमि लगातार

विदेश में बैठे लोग संचालित कर रहे सट्टा संचालित

जांच में पता चला है कि ऑनलाइन महादेव ऐप का संचालन विदेश में बैठे लोगों के जरिए किया जाता था। इसका हेड ऑफिस विदेश में है और भारत में बड़े नेटवर्क के जरिए पैनल ऑपरेट किए जाते हैं। पैनल ऑपरेटर ग्राहकों की आईडी बनाते थे और उनसे सट्टे की रकम वसूलते थे। इस रकम को ऐसे बैंक खातों में जमा किया जाता था, जो दूसरे लोगों के नाम पर खुलवाए गए थे या किराए पर लिए गए थे। इसके बाद मुनाफे की रकम हवाला नेटवर्क के जरिए विदेश भेजी जाती थी।

इन स्थानों पर छापे की कार्रवाई

केंद्रीय जांच एजेंसी ने जिन शहरों में रेड कार्रवाई कार्रवाई की, उनमें छत्तीसगढ़ के रायपुर और दुर्ग के साथ पंजाब, अमृतसर, दिल्ली, राजस्थान, नागौर, धौलपुर, मध्यप्रदेश, भोपाल, इंदौर, गुजरात, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत तथा महाराष्ट्र के मुंबई और नागपुर शामिल हैं।

80 साल बाद एक मंच पर होंगी तीन महाशक्तियां!



एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिका, चीन और रूस के राष्ट्राध्यक्ष चीन के तकनीकी केंद्र शेनझेन में अगले सप्ताह होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। 1945 के बाद यह पहली बार है, जब दुनिया की तीन शीर्ष महाशक्तियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साथ एक ही बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इस मुलाकात से किसी बड़ी सफलता की उम्मीद कम है और इसका महत्व ठोस नतीजों से ज्यादा प्रतीकात्मक होगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की इस बैठक की शुक्रवार को पुष्टि की। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब तीनों देशों के बीच संबंध कई चुनौतियों से गुजर रहे हैं। ट्रंप ने पिछले साल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम के बाद शी के साथ संबंधों को गर्मजोशी से आगे बढ़ाया है। वहीं, उन्होंने रूस के साथ भी रिश्ते सुधारने की कोशिश की है, जबकि पुतिन यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखे हुए हैं और ईरान के साथ रूस का सैन्य एवं कूटनीतिक सहयोग बढ़ा है। ट्रंप का कहना है कि इस बैठक में ईरान के साथ अमेरिका के युद्ध और तीनों देशों के परमाणु हथियारों के जखीरे को लेकर समझौते पर चर्चा हो सकती है। अमेरिका और रूस के बीच अंतिम परमाणु हथियार नियंत्रण समझौता 'न्यू स्टार्ट' फरवरी में समाप्त हो गया।

पुलिस ने ड्रग केस में जेल में डाला

रायपुर का युवक भी रूस में फंसा नौकरी के इंटरव्यू के लिए गया था

युवक पर यूक्रेन के खिलाफ रशियन फौज की ओर से युद्ध में शामिल होने को दबाव बनाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र के श्रीनगर निवासी टिकेश्वर साहू को रसियन पुलिस ने झूठे केस में जेल में बंद कर दिया है। युवक दो माह पूर्व आठ सितंबर को नौकरी के लिए इंटरव्यू देने के लिए रूस गया था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि टिकेश्वर को वहां डिलीवरी ब्वाय का जॉब दिया जा रहा था, इसके लिए उसने इनकार कर दिया।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों ने उन्हें रूस बुलाया था, उन लोगों ने उसे गन पाइंट पर काम करने दबाव बनाया। इनकार करने पर उसे झूठे ड्रग केस में फंसाकर जेल भेज दिया गया। पीड़ित के परिजनों के अनुसार झूठे ड्रग प्रकरण में जेल में बंद टिकेश्वर पर रशियन पुलिस सजा से बचने यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना की ओर से लड़ने का दबाव बना रही है। टिकेश्वर को टेलीग्राम के जरिए नौकरी का प्रस्ताव मिला था। ⏭शेष पेज 6 पर

खास खबर



स्थानीय पहचान से वकील हायर

पीड़ित के परिजनों ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि रूस में उनके पहचान के लोग कार्यरत हैं। टिकेश्वर के जेल में होने की जानकारी मिलने पर परिजनों ने रूस में अपने परिचितों की मदद से वकील हायर किया। परिजनों के अनुसार टिकेश्वर को थायराइड की शिकायत है। वकील के माध्यम से परिजनों को जानकारी मिली कि उसका 22 अक्टूबर को बीपी बढ़ गया। वकील के माध्यम से परिजनों को इस बात की जानकारी मिली। इसके बाद परिजनों ने वकील से संपर्क कर टिकेश्वर को जेल से अस्पताल वार्ड में शिफ्ट कराया। वर्तमान में वह अस्पताल में भर्ती है।

महज पांच मिनट वीडियो कॉल

पीड़ित के बार-बार अनुरोध करने पर एक माह बाद रशियन पुलिस ने उसे परिजनों से वीडियो कॉल से बात कराई। वीडियो कॉल में टिकेश्वर ने अपने परिजनों को ड्रग के झूठे केस में फंसाने की बात कही। इसके साथ ही उसे इस केस से बचने के लिए रूसी सेना की ओर से युद्ध लड़ने का दबाव बनाने की जानकारी दी। पीड़ित अपने परिजनों से और कुछ बात कर पाता, रूसी पुलिस ने कॉल कट कर दिया।

भगवान कृष्ण पर विवादित टिप्पणी

बागेश्वर धाम में तनाव के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी ⏭ छतरपुर

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भगवान कृष्ण के बारे में की गई विवादित टिप्पणी को लेकर उपजे विवाद के बीच शनिवार को धाम के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया। शास्त्री के समर्थकों का शुक्रवार को अखिल भारतीय यादव महासभा के सदस्यों के साथ आमना-सामना हो गया था। यादव महासभा के सदस्य शास्त्री की टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन करने पहुंचे थे।

क्या कहा था शास्त्री ने

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने 29 अक्टूबर को शिवपुरी जिले के करेरा में रामकथा के दौरान भगवान राम और भगवान कृष्ण के स्वरूपों की तुलना करते हुए कथित तौर पर कहा था कि राम सीधे खड़े होते हैं, जबकि कृष्ण टेढ़े होकर खड़े होते हैं। भगवान कृष्ण की त्रिभंगी मुद्रा, उनकी बांसुरी और वृंदावन का उल्लेख किया था।

27 समाज प्रमुखों से चर्चा करेंगे नितिन पीएम मोदी का होगा वर्चुअल उद्बोधन

धरमजयगढ़ में आज जनजाति गौरव दिवस पर बड़ा कार्यक्रम, सीएम साय सहित पूरी सरकार भी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

धरमजयगढ़ में रविवार को होने वाले जनजाति गौरव दिवस के कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रायगढ़ जिले के दो दर्जन से ज्यादा समाज प्रमुखों से अलग से चर्चा करेंगे। वे रविवार को पहली बार छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरे में वे प्रदेश में महज सवा दो घंटे रहेंगे। सुबह 10 बजे रायगढ़ के विमानतल पहुंचने के बाद हेलीकॉप्टर से धरमजयगढ़ जाएंगे और जनजाति गौरव दिवस ⏭शेष पेज 6 पर

आज भाजपा का शक्ति प्रदर्शन



पीएम मोदी का होगा वर्चुअल उद्बोधन

उद्बोधन सत्र की शुरुआत सुबह 10:45 बजे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संबोधन से होगी। इसके उपरांत मुख्य अतिथि नितिन नवीन का उद्बोधन होगा। सुबह 11:30 से दोपहर 12 बजे तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। ⏭शेष पेज 6 पर

सीएम साय बोले

ऐतिहासिक होगा कार्यक्रम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, रविवार को धरमजयगढ़ में आयोजित होने जा रहे जनजाति गौरव दिवस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं के साथ-साथ जनता में भी भारी उत्साह है। कार्यक्रम की तैयारी से प्रतीत हो रहा है कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य होगा। श्री साय ने सभी जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र से अधिक-से-अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं एवं आमजन को साथ लेकर धरमजयगढ़ पहुंचें और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएं।

2011 में 135 घंटे से अधिक चली थी बजट सत्र की कार्यवाही, इस साल करीब 108 घंटे में निपटा कामकाज

कभी महीनेभर चलती थी विधानसभा, बजट सत्र 27 से घटकर अब 15 दिन, शीत सत्र भी 4 बैठकों में सिमटा

गौरव शर्मा ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस बार 14 से 17 दिसंबर तक चलेगा। चार दिनों के इस सत्र में सदन की चार बैठकें प्रस्तावित हैं। राज्य गठन के बाद विधानसभा के कामकाज के तौर-तरीकों में आए बदलाव के साथ सत्रों की अवधि और बैठकों की संख्या में भी बड़ा अंतर आया है। शुरुआती वर्षों में बजट सत्र लगभग डेढ़ महीने तक ⏭शेष पेज 6 पर



डॉ. रमन सिंह, विस अध्यक्ष | विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री | डॉ. चरण दास महंत, नेता प्रतिपक्ष | भूपेश बघेल, पूर्व सीएम

- शुरुआती वर्षों में शीतकालीन सत्र 10 से 12 बैठकों का होता था, अब चार दिन में सिमट रही सदन की कार्यवाही
- कोरोना काल में पहली बार विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा के बिना गिलोटिन से पारित हुआ था बजट

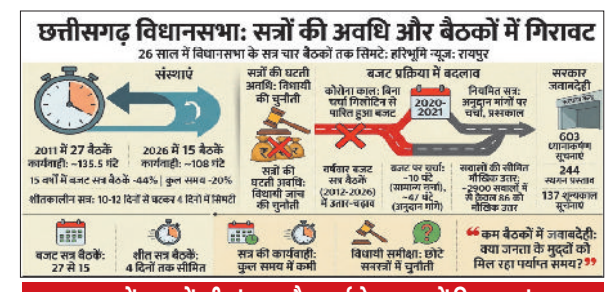
हरिभूमि खास

बजट सत्रः वर्षवार बैठकें

वर्ष	बैठकें
2011	27
2012	20
2013	25
2015	17
2016	20
2018	16
2022	10
2023	14
2024	17
2025	17
2026	15

शीत सत्र में भी घटती गईं बैठकें

बजट सत्र के साथ शीतकालीन सत्र की अवधि में भी बदलाव आया है। वर्ष 2012 के शीतकालीन सत्र में सात बैठकें हुई थीं। बाद के वर्षों में यह संख्या सामान्यतः पांच से छह के बीच रही। वर्ष 2023 में नई विधानसभा के गठन के बाद आयोजित पहले शीतकालीन सत्र में तीन बैठकें हुईं। वर्ष 2024 में चार और 2025 में पांच ⏭शेष पेज 6 पर



सदन में सवालों की संख्या और चर्चा के समय में कितना अंतर

विधानसभा के बजट सत्र का महत्व केवल बजट पारित करने तक सीमित नहीं है। इसी सत्र में विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होती है और विधायक सरकार से उसके खर्च, योजनाओं और नीतियों को लेकर जवाब मांगते हैं। वर्ष 2026 के बजट सत्र में 2,924 प्रश्नों की सूचनाएं मिलीं। इनमें 1,495 तारांकित और 1,429 अतारांकित प्रश्न शामिल थे। 603 ध्यानाकर्षण सूचनाएं और 244 स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं भी प्राप्त हुईं। इसके अलावा शून्यकाल की 137 सूचनाएं आईं। हालांकि, 14 बैठकों में सदन के भीतर केवल 86 प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। वित्तीय कामकाज के दौरान वर्ष 2026-27 के बजट पर सामान्य चर्चा के लिए 9 घंटे 58 मिनट, अनुदान मांगों पर 47 घंटे 4 मिनट और ⏭शेष पेज 6 पर

देश में बढ़ती बुजुर्गों की आबादी
एक जरूरी पड़ताल



आज भले ही हमारे देश में युवाओं की आबादी अधिक है। लेकिन तमाम आंकड़े और अध्ययन बताते हैं कि आने वाले कुछ दशकों में युवाओं से अधिक बुजुर्गों की आबादी हो सकती है। इसकी अनेक वजहें हैं। देश के निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर बने रहने के लिए बुजुर्ग और युवा जनसंख्या में संतुलन आवश्यक है। इसलिए इन वजहों की पड़ताल और प्रभावी कदम उठाए जाने की बहुत जरूरत है।

कवर स्टोरी
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

किसी भी देश या समाज की असली ताकत उसके युवा होते हैं। वह युवा शक्ति ही है, जो देश के विकास को गति देती है, उसकी दशा एवं दिशा तय करती है और परिवर्तन की निमित्त बनती है। खुशी की बात है कि वर्तमान में भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की चालीस प्रतिशत से अधिक आबादी पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं की है। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं का प्रतिशत लगभग पैंसठ प्रतिशत है। देश के लिए यह गर्व और प्रसन्नता की बात है। लेकिन सामाजिक स्थितियां इंगित कर रही हैं कि इस खुशी की आयु बहुत लंबी नहीं है।

क्या कहते हैं आंकड़े

अपना देश बुढ़ापे की तरफ बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस बात की पुष्टि विविध आंकड़ों से भी होती है। आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत बूढ़ों का देश हो जाएगा। यानी, यहां युवाओं की तुलना में बूढ़ों की संख्या अधिक हो जाएगी। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1951 में भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 2 करोड़ थी। वर्ष 2011 में भारत में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आबादी 10.16 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की लगभग 8.4 प्रतिशत थी। अगले दस वर्षों में यह आबादी बढ़ कर दोगुनी और कुल आबादी की 10.5 प्रतिशत हो गई। बताया जाता है कि वर्तमान यानी 2025 में देश में साठ वर्ष से अधिक आयु वालों की आबादी कुल आबादी की लगभग 12 प्रतिशत से कुछ अधिक है। 2030 तक देश की बुजुर्ग आबादी बढ़ कर 13.8 प्रतिशत हो जाएगी, जो देश की तत्कालीन आबादी का सातवां हिस्सा होगा। यानी देश का हर सातवां नागरिक बुजुर्ग होगा। अनुमान है कि वर्ष 2036 में देश की कुल आबादी 153 करोड़ होगी और तब तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 23 करोड़ यानी देश की कुल आबादी की 15 प्रतिशत तक हो जाएगी। इसमें 80 साल से अधिक आयु का हिस्सा ज्यादा होगा। इसी प्रकार अनुमान है कि सन् 2050 में देश की लगभग 21 प्रतिशत आबादी सीनियर सिटिजन की होगी। सन् 2075 में भारत की कुल आबादी 1.6 अरब होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 32 प्रतिशत हिस्सेदारी साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी। यानी पचास साल बाद 2075 में देश का हर तीसरा व्यक्ति सिनियर सिटिजन होगा।



कम हो रही युवा आबादी

वर्तमान समय में भारत की आबादी की औसत आयु 29 वर्ष बताई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सन् 2021 में देश में पंद्रह से उनतीस वर्ष आयु के मध्य के युवाओं की कुल संख्या 37.14 करोड़ थी, जो कुल जनसंख्या की लगभग 28 प्रतिशत थी। पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं की भागीदारी 65 प्रतिशत से भी अधिक थी। लेकिन अब इसमें गिरावट आने लगी है। अनुमान है कि सन् 2036 में देश की आबादी में युवाओं की भागीदारी घट कर मात्र लगभग 22.7 प्रतिशत रह जाएगी। कहना न होगा कि युवा आबादी घटने से देश के जनबल और कार्यबल में कमी आएगी।

बढ़ रही है औसत आयु

पिछले दो दशकों से देश में बच्चों की आबादी बहुत तेजी के साथ घट रही है, जबकि दूसरी तरफ चिकित्सा सुविधाएं तथा जीवन स्तर में सुधार के कारण आम आदमी की जीवन प्रत्याशा (औसत आयु) लगातार बढ़ रही है। अब से लगभग सौ साल पहले यानी बीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत में औसत आयु 30 वर्ष थी। छठें दशक में भारत की औसत आयु बढ़कर 43.5 वर्ष हो गई थी। 1990 में यह 58 वर्ष थी और अब अपने देश की औसत आयु लगभग 72 वर्ष हो चुकी है। एक तरफ जहां आदमी की औसत आयु लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ मृत्यु दर घट रही है।

जन्मदर में आ रही है कमी

आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि तक तो बात ठीक है लेकिन नवजात की जन्म दर में कमी की प्रवृत्ति अवश्य चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति इस कारण भी चिंता का विषय है कि बच्चों के जन्म दर में गिरावट आकस्मिक नहीं बल्कि ऐच्छिक, सुविचारित और सुनियोजित है। कह सकते हैं कि आज की युवा पीढ़ी तात्कालिक फायदे के मूल्य पर देश-समाज के भविष्य के लिए मुश्किल पैदा कर रहे हैं। भारत में जन्म लेने वाले शिशुओं की वार्षिक संख्या वर्ष 2001 में 2.93 करोड़ थी। वर्ष 2023 में यह संख्या 2.32 करोड़ रह गई। यानी लगभग दो दशक की अवधि में नवजात शिशुओं की संख्या में 20 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है।

देर से शादी भी है वजह

इस भावी समस्या का एक बड़ा कारण है शादियों में विलंब तथा युवा पीढ़ी का अपने दायित्वों से पलायन। अब से लगभग चार दशक पहले तक शादियां औसतन पच्चीस-छब्बीस वर्ष की आयु तक हो जाया करती थीं। लेकिन करियर के दबाव, जीवनशैली में बदलाव तथा सुरक्षित भविष्य की अनिश्चितता के कारण आज तीस-बत्तीस की उम्र शादी की सामान्य उम्र बन चुकी है। अधिकांश मामलों में तो यह उम्र पैंतीस या उससे भी ऊपर पहुंच चुकी है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार महिलाओं की प्रजनन क्षमता 20 से 27 वर्ष की आयु के मध्य अपने चरम पर होती है। 30 वर्ष की उम्र के बाद इस क्षमता में गिरावट आने लगती है। इससे गर्भ धारण करने की संभावना बहुत कम हो जाती है। इसी प्रकार पुरुषों में भी 35 वर्ष की उम्र के बाद शुक्राणु उत्पादन में गिरावट आने लगती है। यही कारण है कि समाज में निःसंतान दंपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अंततः युवा आबादी में ह्रास के रूप में सामने आ रही है। इसके अलावा आज कई युवा विवाह को बंधन मानने लगे हैं। लिव इन रिलेशन के ट्रेंड से इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे कपल्स बच्चे पैदा करने और उसका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं होते हैं। विशेष रूप से जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं, वहां बच्चा पैदा करना एक अवांछित बोझ माना जाने लगा है। संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस सोच को और अधिक बल दिया है।

वजहें कोई भी हों, देश की घटती युवा शक्ति भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। अभी समय है कि युवाओं की घटती संख्या को गंभीरता से लिया जाए और आने वाले संभावित संकट यानी देश को बूढ़ों का देश होने से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। *

बुजुर्गों के बढ़ने की ये भी हैं अन्य वजहें

युवाओं की आबाद्दी घटने के पीछे कुछ और कारण भी जिम्मेदार हैं। अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या तथा मार्ग दुर्घटनाएं भी युवा वर्ग की मृत्यु के कारण बन रहे हैं। पारिवारिक जिम्मेदारी, मानसिक तनाव, असुरक्षित भविष्य, नशे की लत तथा नौकरी और पढ़ाई का दबाव कई ऐसे कारण हैं, जो युवा वर्ग को आत्महत्या की तरफ ढकेल रहे हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एम्स के एक अध्ययन के अनुसार मई 2023 से अप्रैल 2024 की अवधि में घर के अंदर, ऑफिस में या यात्रा के दौरान अचानक मरने वालों में 57.2 प्रतिशत युवा थे, जिनकी औसत आयु 33.6 वर्ष थी। खास बात यह कि ऐसे मरने वालों में भी पुरुषों की संख्या महिलाओं से लगभग दो गुनी थी। किशोर वय के छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ रही है। सर्वेक्षण बताते हैं कि छात्रों की आत्महत्या की दर पिछले बारह वर्षों में 65 प्रतिशत बढ़ी है।

आत्महत्या के बाद युवा मृत्यु का दूसरा बड़ा कारण है वाहन दुर्घटना। दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु की सहभागिता कुल युवा मृत्यु का 16.4 प्रतिशत है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में प्रति वर्ष लगभग पांच लाख मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें प्रतिवर्ष औसतन दो लाख लोगों की मौत होती है। इसमें खास बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 85 प्रतिशत युवा होते हैं। इसके अतिरिक्त कुपोषण, बाल श्रम, बाल तस्करी, बेरोजगारी, कुंठा, नशाखोरी तथा अपराध आदि भी युवाओं की संख्या में गिरावट के कारण बन रहे हैं। देश में युवाओं की घटती आबादी के पीछे एक बड़ा कारण परिवार नियोजन की नीति भी है। 15 फरवरी 2000 को घोषित भारत की जनसंख्या नीति का उद्देश्य सन् 1945 तक देश की जनसंख्या दर को स्थिर करना है। चिंता की बात यह कि देश के 14 राज्यों में प्रजनन दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम हो गई है। पड़ोसी देश चीन इस क्षेत्र में सख्ती का दुष्परिणाम भुगत चुका है। इसलिए हमें सजग रहना जरूरी है।

लाइब्रेरी से किताबें अपने घर लाने की बात हो या वहीं सुकून से बैठकर अपनी पसंदीदा पुस्तक पढ़ने की, लाइब्रेरी शब्दों से रिश्ता जोड़ने की प्यारी जगह है। अब तो डिजिटल फॉर्म में भी यह खूब लुभा रही है। नेशनल लाइब्रेरी वीक (14-20 नवंबर) के अवसर पर लाइब्रेरी की उपयोगिता पर एक नजर।

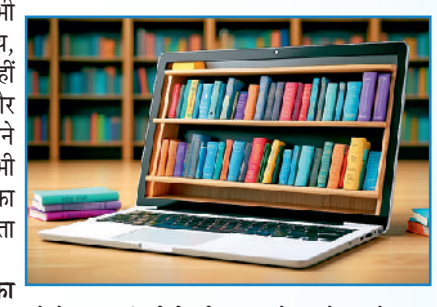
कायम है किताबों से जुड़ाव



लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

मानवीय जीवन में पुस्तकें पढ़ने की उपयोगिता हमेशा से रही है। शब्दों से जुड़ाव के इस माध्यम की भूमिका हर दौर में अहम रही है। यूं भी बेहतरी की ओर बढ़ते रहने के लिए किताबों के पन्ने पलटने का चाव, उम्र के हर पड़ाव में रहना ही चाहिए। ऐसे में पुस्तकालय यानी पुस्तकों के आलय का महत्व भी सदा ही रहेगा।

लाइब्रेरी की महत्ता: लाइब्रेरी का अंग्रेजी शब्द लाइब्रेरी का ही हिंदी रूपांतर है। यह शब्द लैटिन भाषा के 'लाइवर' शब्द से बना है, जिसका अर्थ पुस्तक होता है। स्पष्ट है कि कहीं न कहीं यह पुस्तकों से जुड़ाव बनाने वाली मुहिम है। जिसके तहत अध्ययन, पठन, रिसर्च और ज्ञान के प्रसार के लिए कई तरह की पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, डॉक्यूमेंट्स और संसाधनों को व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किया जाता है। कई महंगी किताबें, लिमिटेड एडिशन वाली पुस्तकें, रिसर्च पेपर्स आदि बिना खर्चा किए यहां पढ़े जा सकते हैं। किफायत, सहूलियत और आमजन में अवेयरनेस लाने वाले स्थलों के रूप में पुस्तकालयों की अहमियत आज भी कायम है। पुस्तकालय, सिर्फ एक इमारत भर नहीं होते। यह शिक्षित और जागरूक समाज बनाने का सपना साधने की भी जगह होती है। यहां का परिवेश जन-जागरूकता का केंद्र होता है।



यह सप्ताह मनाने का उद्देश्य: रीडिंग हैबिट्स बढ़ाने के साथ ही लोगों को बुक्स का महत्व समझाने के लिए हमारे देश में भारतीय पुस्तकालय संघ द्वारा 1968 से हर वर्ष 14 से 20 नवंबर तक राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाता है। असल में नेशनल लाइब्रेरी वीक में आयोजित होने वाली बहुत-सी एक्टिविटीज लोगों को किताबों से जोड़ने का काम करती हैं। इस अवसर पर स्कूल, कॉलेज और पब्लिक लाइब्रेरीज में पुस्तक प्रदर्शनियां, क्विज, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं और स्टोरी टेलिंग-रीडिंग से जुड़े कई कार्यक्रम होते हैं।

जुड़ाव की जगह: लाइब्रेरी सिर्फ किताबें पढ़ने की जगह नहीं होती। किताबों का यह घर बहुत से लोगों को अपनेपन, वैचारिक संवाद और आपसी जुड़ाव का भी अवसर देता है। यहां नियमित आने वाले लोग अच्छे मित्र बन जाते हैं। ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर अच्छी चर्चा होती है। खासकर पब्लिक लाइब्रेरीज में तो समाज के हर वर्ग के लोगों को बिना किसी भेदभाव के फ्री पुस्तकें मिलती हैं। इतना ही नहीं शिक्षण संस्थानों की एकेडेमिक लाइब्रेरीज में भी स्टूडेंट्स में अच्छा आपसी जुड़ाव बनता है। स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बनाई गई लाइब्रेरीज नए विचारों और आइडियाज को समझने का कोना होते हैं। इतना ही नहीं पुस्तकालयों को पीढ़ियों का सेतु भी कहा जाता है। यहां पर बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों में साझा संवाद होता है। एक ही छत के नीचे बैठकर हर आयुवर्ग के लोग पुस्तकें पढ़ते हैं, तो विचार साझा करने का मार्ग भी निकलता है। ऐसे में पुस्तकालय बुजुर्गों को सोशल आइसोलेशन से भी बचाते हैं।

होते हैं अनेक लाभ: यहां विद्यार्थी किसी एक ही विषय पर अलग-अलग दृष्टिकोण से लिखी कई पुस्तकें पढ़कर भी समृद्ध होते हैं और अलग-अलग विषयों की बहुत सारी किताबें पढ़कर भी समान रुचि वाले स्टूडेंट्स मिलकर कुछ नया रचने-गुनने की साझी राह पकड़ते हैं। यूके में हुई एक स्टडी के मुताबिक शांत और सुरक्षित माहौल में नियमित रूप से पढ़ना और सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों के साथ उपस्थिति महसूस करना तनाव, चिंता और अकेलेपन के जोखिम को कम करता है। देखने में आता है कि बहुत से लोग लाइब्रेरीज में मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस मैनेजमेंट और सकारात्मक जीवनशैली पर लिखी गई किताबें भी पढ़ते हैं। मानसिक तनाव कम करने और जीवन को नया दृष्टिकोण देने वाली ऐसी पुस्तकें आमतौर पर अकादमिक पुस्तकों की तरह खरीदकर कम ही पढ़ी जाती हैं। ज्ञान के प्रसार का जीवंत केंद्र माने जाने वाले पुस्तकालयों में बैठकर इन्हें पढ़ने वाले इनसे खूब लाभान्वित होते हैं। अपने जीवन की सार्थक दिशा तलाशने का प्रयास करते हैं।

तकनीक ने बदला रूप: हालिया वर्षों में डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से भी लोग किताबों तक पहुंचने लगे हैं। पुस्तकों का यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी हर आयुवर्ग में तेजी से पॉपुलर हो रहा है। असल में डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा डेटाबेस है, जहां पुस्तकें, थीसिस, विभिन्न विषयों से जुड़ी ऑडियो, वीडियो एवं दूसरी शैक्षिक सामग्री डिजिटल रूप में संग्रहित की जाने लगी है। इंटरनेट की मदद से इस इलेक्ट्रॉनिक कंटेंट को कंप्यूटर, टैबलेट या स्मार्टफोन के माध्यम से कहीं से भी एक्सेस किया जा सकता है। हमारे यहां नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय खूब चर्चित हो रहे हैं। सबसे अहम यह है कि यह सब सामग्री हर समय आपके पास होती है। नई पीढ़ी के बच्चों को डिजिटल दुनिया के पुस्तकालय खूब लुभा रहे हैं। वास्तविक हो या वर्चुअल, किताबों से जोड़ने वाले ये ठिकाने आज भी अपनी अहमियत बनाए हुए हैं। *

लघुकथा / संजीव ठाकुर

फैशन



डॉक्टर हमारे घर आते-आते भीग गया था। उसने अपने घर से फोन किया था कि बारिश हो रही है, वह थोड़ी देर से आएगा। मैंने कहा था,'कोई बात नहीं, लेकिन आना जरूर। हम तैयार बैठे हैं, जाना जरूरी है।' मैंने उसे एक अतिरिक्त ड्रेस भी साथ रख लेने की सलाह भी दी थी। वह खाली हाथ आया था! अतिरिक्त ड्रेस साथ रखना उसे अपनी शान के खिलाफ लगा होगा। उसकी गीली कमीज को देखकर मैंने पूछा,'इसी तरह जाओगे? मैंने तो तुम्हें कहा था!' 'चला जाऊंगा। रास्ते में सूख जाएगी!' उसने जवाब दिया। अचानक मेरे मन में आया कि मेरे पास जो टी-शर्ट रखी है, किसी की दी हुई, जिसका रंग मुझे पसंद नहीं है, किसी को देनी ही है, इसी को दे देता हूं!

मैं उसे गेट पर रुकने को बोलकर कमरे के अंदर चला गया, टी-शर्ट निकाल लाया। मैंने कहा, 'इसे पहन लो, नई है।' उसने अपनी गीली कमीज उतार कर टी-शर्ट पहन ली लेकिन पहनते ही बोला, 'ढीली है!' मैंने कहा, 'ढीली ही है न, गीली तो नहीं? ये देखो, मैंने भी ढीली कमीज ही पहन रखी है।'

मुझे लगा कि उसे ढीली की जगह अपनी गीली कमीज पहनने का ही मन था लेकिन फिर भी वह ढीली पहनकर ही गाड़ी में बैठ गया।

करीब एक सौ बीस किलोमीटर की यात्रा कर हमें अपनी बेटी के इंस्टीट्यूट में जाना था। बीच रास्ते में हम चाय के लिए रुके। चाय पीते हुए हम पति-पत्नी ने गौर किया कि टी-शर्ट उस पर ठीक ही लग रही है। लेकिन उसके मन में क्या चल रहा है, यह हम नहीं समझ पाए। यह हम तब समझ पाए, जब बेटी के इंस्टीट्यूट पहुंचे और गाड़ी रोकते ही उसने त्वरित गति से पॉलीथीन से अपनी आधी गीली कमीज निकालकर पहन ली और टी-शर्ट उसी पॉलीथीन में पैक कर दी! *

व्यंग्य
भूपेंद्र भारतीय

क्षेत्र की खुशी के लिए!

क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

पिछले दिनों नेताजी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना करते हुए पवित्र नदी में डुबकी लगाने गए थे। क्षेत्र की खुशहाली के लिए अच्छे से डुबकी लगाई व खुद के मन की शांति के लिए स्नान भी किया। अपना नहीं, दूसरों का भला हो, ऐसा सोचने वाले अब कम ही लोग मिलते हैं। वह भी राजनीति के क्षेत्र में! लेकिन हमारे नेताजी क्षेत्र के बारे में बहुत सोचते हैं। उनकी राजनीति, उनके क्षेत्र की खुशी में ही चल रही है। अपने क्षेत्र को खुश देखना उनकी राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। वे क्षेत्र की खुशी में ही स्वयं की खुशी मानते हैं!

अपने क्षेत्र की खुशी के लिए दिन-रात क्षेत्र का दौरा करते रहते हैं। दो तीन कारें उनके दौरे के लिए दौड़ती ही रहती हैं। क्षेत्र के विकास के लिए आई राशि से क्षेत्र का विकास भले ना हो लेकिन नेताजी उस राशि से स्वयं तीर्थ करके क्षेत्र की खुशी की कामना करना नहीं भूलते हैं। कैसे भी हो क्षेत्र की जनता खुश रहनी चाहिए। इसीलिए क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। कहीं किसी उपदेशक ने कोई कथा सुनानी शुरू की नहीं कि नेताजी उसके चरणों में क्षेत्र की खुशी के लिए दंडवत हो जाते। दंडवत होते हुए नेताजी के चेले उनका फोटो सोशल मीडिया पर झट से पोस्ट कर देते हैं। सोशल मीडिया पर भी क्षेत्र की जनता खुश हो जाती है। कामना हर ओर से चलती रहती है। कामना में कोई कमी नहीं रहने देते हैं।



क्षेत्र की खुशी के लिए नेताजी कभी-कभी तो पैदल भी चलते हैं। पैदल चलते हुए गरीबों की बस्ती में जाना, किसी गांव में सड़क के अभाव में, कीचड़ के दबाव में, किसी खेत पर कोई किसान काम कर रहा है, तो किसान के पास पैदल चलकर जाना, क्षेत्र में कार से घूमते हुए कोई मतदाता दिख गया तो उस मतदाता तक कार से उतरकर पैदल जाना इत्यादि ऐसे कितने ही अवसर दिन भर में आते हैं, जब नेताजी पैदल चलकर भी अपने क्षेत्र की खुशी की कामना के लिए पैदल चलते रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि वे क्षेत्र की खुशी की कामना में सिर्फ पैदल ही चलते हैं बल्कि क्षेत्र की खुशी के लिए भूमि पूजन, उद्घाटन, दीप प्रज्ज्वलित करना, जनता को संबोधित करना, नए कार्यों का शुभारंभ करना, गरीब की झोपड़ी में जाकर भोजन करना इत्यादि कार्य उन्होंने प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल कर रखा है। कैसे भी करके क्षेत्र के लोगों को खुश होना चाहिए। क्षेत्र की खुशी की कामना में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। यदि क्षेत्र की खुशी की कामना में नेताजी के अकेले की दौड़भाग में कोई कमी पड़ने लगती है तो वे अपने घर व परिवार वालों को भी इसमें लगा देते हैं। कभी-कभी तो रिश्तेदारों तक को क्षेत्र की खुशहाली के लिए लगाना पड़ता है। इसमें कोई मुश्किल नहीं होती क्योंकि उनके दूर दूर के रिश्तेदार भी नेतागीरी में ही सक्रिय हैं।

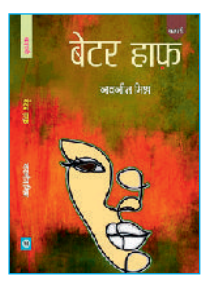
क्षेत्र की जनता को व्यापार करने में परेशानी होती है तो नेताजी अपने घर में से पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई, भतीजे आदि को क्षेत्र की जनता के बीच रहकर व्यापार करने के लिए भी भेज देते हैं। अकसर ऐसे व्यापार में बड़ी चुनौतियां व झंझट होते हैं, इसलिए वे अपने परिवार तक को इसमें झोंक देते हैं। जनता को किसी संकट में नहीं डालते हैं। ऐसे व्यापार में शराब ठेके का लाइसेंस हो, रेत खनन, निजी स्कूल चलाना, सड़कें बनाना हो, सरकारी भूमि की तलाश करना इत्यादि जैसी गंभीर व्यापारिक चुनौतियों में भी बगैर झिझक के नेताजी स्वयं व अपने परिवार, नातेदारों को झोंक देते हैं।

जनता की खुशी में ही उनकी खुशी रहती है। किसी के मरने पर या फिर क्रियाकर्म में भी पहुंचकर नेताजी क्षेत्र की खुशी ही देखते हैं। वैसे वे मृत्युभोज के खिलाफ हैं, लेकिन उस आयोजन में जाते जरूर हैं, क्षेत्र की जनता की खुशी के लिए। और सोशल मीडिया पर स्वयं की छवि के प्रबंधन के लिए भी।

विवाह के आशीर्वाद समारोह में पहुंचकर क्षेत्र की खुशी के लिए आशीर्वाद लुटाते हैं। जब भी किसी आयोजन में होते हैं, अपने भाषणों में सबसे पहले क्षेत्र की खुशी की कामना से ही भाषण को दिशा देते हैं। विधानसभा व संसद की कार्यवाही में भाग लेने से ज्यादा उन्हें सड़कों पर धरना या आंदोलनों में क्षेत्र की खुशी दिखती हैं। उन्हें हर कदम पर क्षेत्र की खुशी की कामना ही दिखती है। विश्वविद्यालय की समितियों में अपने लोगों को फिट करना हो या फिर मंत्रालयों में अपने कार्यकर्ताओं को बैठाना हो, नेताजी ऐसे मामलों में भी क्षेत्र की खुशी की कामना का अवसर निकाल ही लेते हैं। ग्राम पंचायत के चुनाव से लेकर संसद की बहसों तक वे क्षेत्र की खुशी की तलाश में ही रहते हैं। सरकारी विदेश यात्राओं में भी वे पूरी तरह से क्षेत्र की खुशी का ध्यान रखते हैं। सच, जिस क्षेत्र में ऐसे नेता मौजूद हों तो वहां के लोगों को खुशी के मारे पागल होने से कोई नहीं बचा सकता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

पत्नी केंद्रित कहानियां



वरिष्ठ कथाकार नवनीत मिश्र की पत्नी केंद्रित ग्यारह कहानियों का संग्रह 'बेटर हाफ' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। ये कहानियां पत्नी के नजरिए से दांपत्य जीवन के अंतरे-कोने में झांकती हैं। ये कहानियां सवाल उठाती हैं कि अर्धांगिनी के रूप में आने के बाद भी स्त्री के प्रति पुरुष की मानसिकता प्रायः क्यों अपने पुरुषत्व से मुक्त नहीं हो पाती है? इस लिहाज से 'बेटर हाफ' और 'मकड़ा' कहानी को विशेष तौर पर पढ़ा जा सकता है। 'व्यक्तिगत डायरीः कृपया इसे न पढ़ें' स्त्रीत्व की अनुभूति की मार्मिक कथा है। 'रिश्ते' कहानी में पुरुष से स्वयं अलग होने का निर्णय लेने वाली एक स्त्री के द्वारा उठाया गया सवाल, झकझोर देता है। संग्रह की लगभग हर कहानी में अलग-अलग नजरिए से बिना शोर मचाए स्त्री विमर्श अभिव्यक्त हुआ है। भाषा की रवानगी और शिल्प की चुंबकीय बुनावट ने इन कहानियों में गजब की पठनीयता उत्पन्न कर दी है। *

पुस्तकः बेटर हाफ (कहानी संग्रह),
लेखकः नवनीत मिश्र, **मूल्यः** 450 रुपए,
प्रकाशकः भावना प्रकाशन, दिल्ली



तरकश

संजय के दीक्षित

वीवीआईपी विजिट और शराबखोरी

जिले में कप्तान बनाने में प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों को वेटेज देने के लिए सिस्टम को कोसने वाले छत्तीगसढ़ के यंग आईपीएस भी गजबे कर रहे हैं। ठीक है, जमाना बदल रहा, मगर देश की दूसरी सबसे प्रतिष्ठित सर्विस का उन्हें कुछ तो ध्यान और सम्मान रखना चाहिए। चिंतित करने वाला यह वाकया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के विजिट के दिन का है। कुछ आईपीएस अधिकारियों की रायपुर में ड्यूटी लगाई गई थी। राष्ट्रपति जब बस्तर के लिए रवाना हो गई तो आईपीएस अधिकारी पहुंच गए रायपुर के एक बड़े मॉल के बीयर-बार में। इस दौरान कुछ उनके बैचमेट दोस्त भी आ गए। फिर दिनदहाड़े सबने जमकर जाम छलकाया। लड़खड़ाते कदमों से जब वे मॉल से बाहर निकले तो इसकी सूचना किसी ने पुलिस मुख्यालय को दे दी। इस पर खुफिया चीफ अमित कुमार ने पांचों आईपीएस अधिकारियों की जमकर क्लास ली। जैसी कि आईपीएस बिरादरी में चर्चा है...उन्होंने यहां तक कह दिया...पर्सनल लाइफ में जो करना है करो मगर वीवीआईपी मूवमेंट के समय...दिनदहाड़े सार्वजनिक जगह पर बैठकर दारु पीकर तुमलोग लिमिट को क्रॉस कर रहे हो...आगे इस तरह की घटना हुई तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुल मिलाकर उन्होंने डांटा तो खूब। मगर डायरेक्ट आईपीएस थे, इसलिए मामला डांट तक सीमित रह गया।

रायपुर और विषकन्याएं

इस तरकश स्तंभ में अधिकारियों को कई बार विषकन्याओं से सतर्क रहने के बारे में आगाह किया जा चुका है। मगर लंगोट के ढिले प्रशासनिक और पुलिस अफसर कहां मानने वाले। अभी ब्लैकमेलिंग और हनी ट्रैप का ताजा मामला राजधानी से लेकर पूरे प्रदेश में गरमाया हुआ है, पुलिस अगर उसका खुलासा कर दें, तो करीब दर्जन भर अधिकारियों का तालाक हो जाएंगे तो कई नेताओं के घर-परिवार उजड़ जाएंगे। व्हाट्सएप के चौट इतने भद्दे और अश्लील हैं कि उसे यहां कोट नहीं किया जा सकता। वीडियो देखकर यह जरूर कहा जा सकता है कि वीआईपी रोड का होटल व्याभिचार का अड्डा बन गया था। बहती गंगा में प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अफसर और नेताओं ने जमकर डूबकी लगाई। विषकन्याओं ने न जाने वहां कितने लोगों को डंसा? हालांकि, जरूरी नहीं कि मोबाइल में जो वीडियो मिले हैं, जिसे पुलिस ने जब्त किया है, वो ही अंतिम हो। आशंका इस बात की भी है कि उसके क्लिप कहीं और भी रखे गए हों। ऐसे में, दर्जन भर से अधिक बड़े अफसर और नेता कब तक ब्लैकमेल होंगे, इसका कोई ठिकाना नहीं। क्योंकि, बेडरूम के खुफिया कैमरे के एक्सेज मोबाइल में थे और बेडरुम की ए-टू-जेड एक्टिविटी मोबाइल में लाइव होती थी। इससे आप मामले की गंभीरता को समझ सकते हैं। इन्हीं सब इनपुट्स के आधार पर पिछले महीने तरकश में हमने लिखा था...छत्तीसगढ़ के 80 परसेंट अफसर...तो अफसरशाही में हाय-तोबा मच गई थी।

ईडी की इंट्री

खैर, अश्लील वीडियो, हनी ट्रैप केस में कुछ खास नहीं होने वाला मगर मोबाइल से कोयला और शराब घोटाले के गंभीर किस्म के साक्ष्य मिले हैं, उसमें आगे चलकर ईडी की भी इंट्री हो जाए, तो आश्चर्य नहीं। इस मामले में कई अफसरों और नेताओं की परेशानी बढ़ जाएगी। क्योंकि, व्हाट्सएप चौट में बकायदा उनके नाम हैं। किसको क्या मिला, इसका जिक्र भी।

पुलिस कमिश्नर को एक्सटेंशन?

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के एरिया का भले ही विस्तार नहीं हुआ मगर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला को सेवा विस्तार मिलने की संभावनाएं दिखाई पड़ रही है। संजीव का जनवरी 2027 में रिटायरमेंट है। हालांकि, सुनने में आ रहा...संजीव एक्सटेंशन के लिए बहुत इच्छुक नहीं। मगर गृह मंत्री विजय शर्मा की इच्छा है कि वे कम-से-कम एक साल और कंटीन्यू करें। मगर ये राज्य सरकार के हाथ में नहीं है। राज्य सरकार प्रस्ताव भेजेगी, उसके बाद मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स उस पर मुहर लगाएगा। चूकि राज्य के गृह मंत्री को देश के गृह मंत्री से ठीकठाक संपर्क है, लिहाजा नामुमकिन जैसा कुछ नहीं। अब ये बात अलग है कि कसी और के माथे पर 31 जनवरी को पुलिस कमिश्नर बनना लिखा होगा, तो फिर भला गृह मंत्री क्या कर सकते हैं।

अध्यक्ष या कार्यकारी अध्यक्ष?

छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का मामला अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष में उलझ गया है। किरण सिंहदेव के सड़क हादसे में गंभीर रुप से जख्मी होने के बाद मूवमेंट उनका शुरू हो गया है। मगर अभी भी कुछ दिक्कतें हैं। उन्हें बदलने को लेकर पार्टी में दो धड़ा हो गया है। एक पक्ष चाहता है कि किरण सिंहदेव अपने पद पर बने रहें, उनकी जगह कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया जाए, तो दूसरे पक्ष का मानना है कि चुनाव नजदीक आ रहा, अब नए फेस को मैदान में उतारना बेहतर होगा। कार्यकारी अध्यक्ष का मामला इसलिए भी गड़बड़ा रहा कि इसके लिए जिन नेताओं के नाम चल रहे थे, वे सभी राजनीति में किरण सिंहदेव से सीनियर हैं। फिर, उनके अंदर में कैसे काम करेंगे। जाहिर है, किरण सिंहदेव भी अध्यक्ष पद को लेकर बहुत उत्सुक नहीं हैं। पिछले साल अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले मंत्री बनने की इच्छा व्यक्त करने वाला उनका बयान आया ही था। ये अलग बात है कि पार्टी ने मंत्री बनाने की जगह उन्हें दोबारा प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप दी। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रद्रेश प्रभारी स्मृति ईरानी की इनपुट्स के बाद बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व क्या फैसला करता है।

कलेक्टरों का ट्रांसफर

छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक गलियारों में कलेक्टरों के ट्रांसफर की अटकलें बड़ी तेज है। ऐसी खबर है...सरकार इस महीने के अंत तक एक लिस्ट जारी कर सकती है। लिस्ट छोटी ही होगी। यही कोई पांच-सात। हालांकि, धान खरीदी का सीजन है। मगर जानकारों का कहना है, धान खरीदी के दौरान पहले भी कई दफा कलेक्टरों की लिस्ट निकली है। दरअसल, 18 जिलों में नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं। इनमें तो रायपुर और दुर्ग जिले के चार नगर निगम भी शामिल हैं। 30 नवंबर वोटर लिस्ट के अंतिम प्रकाशन का डेट है। इसके बाद एक से पांच दिसंबर के बीच कभी भी राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह चुनाव का ऐलान कर सकते हैं। फिर 15 जनवरी तक कुछ नहीं हो पाएगा। इसलिए, 30 नवंबर से पहले कलेक्टरों की एक लिस्ट अपरिहार्य है। इनमें तीन बड़े जिले भी प्रभावित हो सकते हैं। जिन जिलों में लोकल बॉडी इलेक्शन हैं, उनमें रायपुर, दुर्ग, रायगढ़, सारंगढ़, धमतरी, कोरिया, सूरजपुर, बेमेतरा, खैरागढ़, सुकमा, कांकेर, बीजापुर, जीपीएम, जांजगीर, बलरामपुर, गरियाबंद, बालोद और सरगुजा शामिल है। अब चुकि चेन बनेगा, तो जहां चुनाव नहीं है, उन जिलों के भी कुछ कलेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। वैसे भी रायपुर कलेक्टर का जनवरी में तीन साल हो जाएगा। सो, ऐसा भी संभव है...उन्हें दुर्ग, दुर्ग वाले को बिलासपुर और बिलासपुर वाले रायपुर के कलेक्टर बन जाएं। हालांकि, चर्चा तो रायगढ़ और राजनांदगांव वाले को भी अपग्रेड करने की चल रही है। अब देखना है, किस तरह की ये लिस्ट निकलती है। क्योंकि, इस बार जो लिस्ट निकलेगी, उनमें से कोई हिट विकेट नहीं हुआ तो वे ही अगला विधानसभा चुनाव कराएंगे। लिहाजा, सरकार अबकी खूब ठोक बजाकर फैसला लेगी।

पीएससी की नियुक्ति और पेंच

भूपेश बघेल सरकार ने कई संवैधानिक पदों पर पोस्टिंग से चूक गई। यहां तक कि पीएससी चेयरमैन और मुख्य सूचना आयुक्त जैसे पदों पर भी अपने लोगों को नहीं बिठा पाई। प्रभार में काम चलता रहा। पीएससी के मामले में तो कम-से-कम इस सरकार में भी यही हो रहा। ढाई महीने से चेयरमैन का पद खाली है तो मेंबर के भी दो पद वैकेंट हैं। वित्त आयोग और बिजली नियामक आयोग में नियुक्तियां नहीं हो रही तो वह एक बार चलेगा। मगर पीएससी की पोस्टिंग में तो स्फूर्ति दिखानी चाहिए। खैर, विश्वस्त सूत्रों ने तस्दीक की है...अब कागजी अनुमोदन की प्रक्रिया लगभग अंतिम चरण में है। अगले सप्ताह किसी भी सूरत में आदेश जारी हो जाएगा। अभी सिर्फ चेयरमैन का आदेश निकलेगा। उसके बाद फिर मेंबर नियुक्ति की फाइल चलेगी।

अंत दो सवाल आपसे?

1. क्या डीजीपी अरुणदेव गौतम को सरकार उनके रिटायरमेंट याने जुलाई तक एक्सटेंशन देने पर विचार कर रही है?
2. धान बोनस के मास्टर स्ट्रोक का जनक कौन हैं, जिसके बाद विपक्ष को प्रतिक्रिया देने में 24 घंटे लग गए?

792 पंजीकृत मंदिरों, ट्रस्टों और संस्थाओं के पास करीब 14 हजार एकड़ कृषि भूमि

14000 एकड़ जमीन होने के बावजूद सीधे धान नहीं बेच पा रहे मंदिर, ट्रस्ट और मठ, रेगहा पर देने की मजबूरी

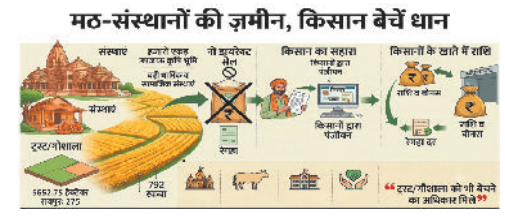
सचिन अग्रहरि ⏭ राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ में मंदिरों, ट्रस्टों और मठों के पास हजारों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि होने के बावजूद इन संस्थाओं को सीधे समर्थन मूल्य पर सरकार को धान बेचने की पात्रता नहीं मिल पा रही है।

खास खबर

वर्तमान खरीफ विपणन वर्ष के ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश के सभी 33 जिलों में कुल 792 संस्थाएं और ट्रस्ट ही पंजीकृत हैं। जिनके अधीन 5652.7459 हेक्टेयर यानी 13,969.67 एकड़ धान का रकबा दर्ज है। इतनी बड़ी मात्रा में जमीन होने के बाद भी सरकारी नीतियों और नियमों के चलते ये संस्थाएं सीधे उपार्जन केंद्रों में अपना धान विक्रय करने से वंचित हैं। सरकारी नियमों के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान बेचने की पात्रता केवल व्यक्तिगत किसानों को ही दी गई है। यही वजह है कि प्रदेशभर की धार्मिक और सामाजिक संस्थाएं, ट्रस्ट तथा मंदिर-मठ अपनी कृषि भूमि को स्थानीय किसानों को लीज यानी रेगहा पर देने को मजबूर हैं, जब कोई किसान इन संस्थाओं की जमीन को रेगहा पर लेता है, तो वह अपने नाम से सरकारी पोर्टल पर पंजीयन कराता है और इसके बाद ही समर्थन मूल्य पर धान बेच पाता है। इस पूरी प्रक्रिया में राज्य सरकार द्वारा धान की समर्थन मूल्य राशि के साथ-साथ अंतर या बोनस की पूरी रकम सीधे संबंधित रेगहादार किसान के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है। दूसरी ओर भूमि की वास्तविक मालिक होने के बावजूद संबंधित ट्रस्ट या मंदिर समिति को केवल उस तयशुदा समझौते की राशि ही प्राप्त हो पाती है, जो खेती शुरू होने से पहले किसान के साथ रेगहा के दौरान तय की गई थी।

मठ-संस्थानों की ज़मीन, किसान बेचें धान



पात्रता दिए जाने उठी मांग

सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े पदाधिकारियों का मानना है कि यदि शासन स्तर पर नीतियों में संशोधन कर मंदिर, ट्रस्ट और मठों को भी सीधे समर्थन मूल्य पर धान बेचने की पात्रता प्रदान कर दी जाए, तो इन संस्थाओं की आय में सीधा इजाफा होगा। इससे प्राप्त होने वाली अतिरिक्त राशि का उपयोग मंदिरों के जीर्णोद्धार, गौशालाओं के संचालन, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याणकारी कार्यों में बेहतर ढंग से किया जा सकेगा। अब प्रदेशभर से यह मांग उठने लगी है कि किसानों की तर्ज पर इन पंजीकृत संस्थाओं और ट्रस्टों को भी सीधे धान खरीदी व्यवस्था से जोड़ा जाए।

धान बेचने की मिले पात्रता

ट्रस्ट भी किसान की तरह ही खेती करता है, इसलिए ट्रस्ट को भी धान बेचने का अधिकार मिलना चाहिए। इस अधिकार के मिलने से धार्मिक ट्रस्ट जनकल्याणकारी कामों में इस राशि का खर्च कर पाएगें। इस मामले में मैंने कई बार सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया हूं लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक इस आशय का आदेश जारी नहीं किया है।

महंत रामसुंदर दास,
पीठाधीश्वर
दूधाधारी मठ रायपुर

गौशाला को भी मिले लाभ

राज्य के पंजीकृत संस्थाएं, ट्रस्ट, गौशालाएं और स्कूलो की कृषि भूमि में होने वाली उपज को राज्य सरकार को सीधे खरीदना चाहिए। गौशालाएं वैसे ही कृषि क्षेत्र में आती है। इससे पशुपालन क्षेत्र की प्रगति भी दिखाई देगी। सरकार से इस आशय का आग्रह किया गया है।

-खूबचंद पारख
अध्यक्ष, गौशाला
पिंजरापोल

आयुष्मान गड़बड़ी की राशि तय करने निलंबित अस्पतालों का ऑडिट, गंभीरता के आधार पर तय होगी पेनाल्टी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निशुल्क इलाज की योजना की आड़ में मुनाफा कमाने के चक्कर में गड़बड़ी करने वाले अस्पताल पर तगड़ा जुर्माना भी लग सकता है। गड़बड़ी की राशि तय करने के लिए इन अस्पतालों से मिले दस्तावेजों के ऑडिट का काम अंतिम चरणों में पहुंच गया है और महीने के अंतिम दिनों में बड़ा एक्शन हो सकता है। अनियमितता के मामले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 16 अस्पतालों को एक से तीन साल के लिए योजना से निलंबित किया था।

आयुष्मान योजना में प्राइवेट अस्पतालों में होने वाली गड़बड़ी को रोकने लिए नेशनल फॉल्स ट्रिगर के फीडबैक पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसमें नवंबर की शुरुआत में 16 अस्पतालों पर निलंबन की गाज गिरी थी। विभाग इस योजना के सफल संचालन के लिए इतना सख्त है कि निलंबित अस्पतालों ने कितनी राशि की गड़बड़ी की है, इसका पता लगाने लेखा-जोखा परखा जा रहा है। जानकारों के मुताबिक इस आधार पर जांच टीम रिपोर्ट तैयार कर रही है, जिसके आधार पर गंभीरता तय कर इन अस्पतालों पर जुर्माना जैसी कार्रवाई की जा सकती है।



- बनाई गई ऑडिट टीम का काम अंतिम चरणों में, माह के अंतिम दिनों में बड़ा एक्शन
- 16 प्राइवेट हास्पिटल पर गिरी थी गाज, एक से तीन साल के लिए किए गए हैं सस्पेंड

वेटिंग में कई हास्पिटल

प्रदेश में 80 फीसदी से ज्यादा मरीजों के आयुष्मान कार्ड धारक होने की वजह से छोटे से लेकर बड़े अस्पतालों तक इस योजना के लिए पंजीकृत होने की आतुरता कम नहीं हो रही है। राज्य में करीब 100 हास्पिटल इस योजना से जुड़ने के लिए कतार में हैं। इनमें से कुछ अस्पताल ऐसे हैं जो निर्धारित मापदंड को पूरा नहीं कर पाने की वजह से इस लिस्ट में नहीं जुड़ पा रहे हैं। वहीं कई विभागीय प्रक्रिया लंबित होने के कारण पेंडिंग है। राज्य में वर्तमान में तमाम शासकीय अस्पतालों और प्राइवेट हास्पिटलों को मिलाकर 1500 संस्थान पंजीकृत हैं।

अटकी है बड़ी राशि

इधर जानकारों का यह भी तर्क है कि योजना के तहत निशुल्क इलाज करने वाले अस्पतालों को नियमित भुगतान का मसला अब तक नहीं हल हो पाया है। दावा किया जा रहा है कि अभी भी अस्पतालों को करीब 700 करोड़ का भुगतान करना लंबित है। वहीं वर्ष 2018 वाले पुराने पैकेज में इलाज का मसला अभी भी अटका हुआ है। प्रायवेट हास्पिटल और उससे जुड़े संगठन कई बार जिम्मेदारों से पैकेज रिवाइज करने की मांग कर चुके हैं मगर इस पर अब तक किसी तरह की ठोस पहल नहीं की गई है।



छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर नक्सलियों के डंप ठिकाने का खुलासा

पाटधरा-गरजनपानी जंगल में सर्चिंग के दौरान मिले 7 प्रेशर कुकर बम और बिजली के तारों का बंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा से लगे नुआपाड़ा जिले के जंगलों में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। ओडिशा के नुआपाड़ा पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, बोडेन थाना क्षेत्र के पाटधरा-गरजनपानी इलाके में चलाए गए सर्चिंग एवं डिमाइनिंग ऑपरेशन के दौरान (डिस्ट्रिक्ट वॉलंटियर फोर्स) के जवानों ने 7 प्रेशर कुकर और बिजली के तारों के 4 बंडल बरामद किए हैं।

- 7 प्रेशर कुकर समेत विस्फोटक सामग्री बरामद

डिवीजन में माओवादी गतिविधियों को लगा बड़ा झटका–नुआपाड़ा पुलिस ने प्रेस नोट में यह भी उल्लेख किया है कि डिवीजन (धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा) के सभी माओवादी कैडर पूर्व में चलाए गए। अभियानों के दौरान या तो आत्मसमर्पण कर चुके हैं या निष्क्रिय किए जा चुके हैं। इसे क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों के उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया है।

आगे की कानूनी कार्रवाई जारी–बरामद सामग्री को सुरक्षा के दृष्टिकोण से सुरक्षित कर लिया गया है। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगे की कानूनी एवं जांच संबंधी कार्रवाई शुरू की जा रही है। नुआपाड़ा पुलिस की इस कार्रवाई को छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

खुफिया सूचना पर चलाया गया सर्चिंग अभियान

पुलिस अधीक्षक नुआपाड़ा के निर्देश पर 14 नवंबर को नुआपाड़ा की टीम ने बोडेन थाना क्षेत्र के पाटधरा-गरजनपानी जंगल में नक्सलियों के संदिग्ध डंप की सूचना के आधार पर एरिया डॉमिनेशन और डिमाइनिंग ऑपरेशन चलाया। इस दौरान जवानों ने जंगल के भीतर सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसमें संदिग्ध माओवादी सामग्री बरामद हुई।

7 प्रेशर कुकर और 4 बंडल बिजली के तार जब्त

सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों को मौके से 7 नग प्रेशर कुकर और बिजली के तारों के 4 बंडल मिले। पुलिस के अनुसार, बरामद विस्फोटक उपकरण और अन्य सामग्री पूर्व में माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए डंप का हिस्सा होने की आशंका है।पुलिस का कहना है कि समय रहते इन संदिग्ध विस्फोटक उपकरणों की बरामदगी से क्षेत्र की सार्वजनिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था पर मंडरा रहा संभावित खतरा टल गया है।

भाजपा बोली- किसानों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाने से पहले अपने पांच साल का हिसाब दें भूपेश

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किसानों और राइस मिलर्स को लेकर दिए गए बयान पर कड़ा पलटवार किया है। डॉ. मिश्रा ने कहा, किसानों का हितैषी होने का दावा करने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री को अपने पांच साल के कार्यकाल का आत्ममंथन करना चाहिए। कांग्रेस शासनकाल की नीतियों और प्रशासनिक कार्रवाइयों के कारण प्रदेश के अन्नदाता खुद को अपमानित और प्रताड़ित महसूस कर रहे थे।डॉ. मिश्रा ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल (2018–2023) में धान के अवैध भंडारण और परिवहन की जांच के नाम पर किसानों के खलिहानों और घरों की माई कोठी (धान भंडारण कक्ष) तक छापेमारी की गई। उन्होंने कहा, उस दौरान ऐसा माहौल बना दिया गया था, मानो प्रदेश का अन्नदाता कोई अपराधी या तस्कर हो।



हर 3 साल में म्यूचुअल फंड स्कीम बदलना समझदारी या बड़ी गलती

● सिर्फ पिछले एक या तीन साल के रिटर्न को देखकर फंड बदलने से बचें● रोलिंग रिटर्न बताता है बाजार के अलग-अलग दौर में स्कीम का प्रदर्शन● जल्दबाजी में स्विच करने से कंपाउंडिंग, टैक्स और अतिरिक्त शुल्क पर असर

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग एक आम गलती करते हैं। वे हर दो-तीन साल में अपना पोर्टफोलियो देखते हैं और जिस स्कीम का रिटर्न कम दिखाई देता है, उसे बेचकर उस फंड में पैसा लगा देते हैं जिसने हाल के वर्षों में बेहतर प्रदर्शन किया हो। पहली नजर में यह फैसला समझदारी भरा लग सकता है, लेकिन बार-बार फंड बदलने की यह आदत लंबे समय में निवेश के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। इसकी वजह है बाजार के प्रदर्शन को समझने में जल्दबाजी, स्विच करने का खर्च और कंपाउंडिंग पर पड़ने वाला असर। निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि किसी म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न उसके भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। बाजार में तेजी के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम अगले कुछ वर्षों में कमजोर भी रह सकती है। इसी तरह किसी फंड का एक-दो साल तक पीछे रहना यह साबित नहीं करता कि उसकी निवेश रणनीति खराब हो गई है। इसलिए केवल एक निश्चित अवधि के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेने के बजाय फंड के प्रदर्शन की निरंतरता देखना जरूरी है।



इक्विटी और डेट फंड के कर नियम अलग हो सकते हैं। निवेश की अवधि और निकासी की तारीख के आधार पर भी कर देनदारी बदलती है। इसलिए हर तीन साल में फंड बदलने से पहले एग्जिट लोड और टैक्स की गणना जरूर कर लें। केवल सकल रिटर्न की तुलना करना पर्याप्त नहीं है।

ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न में क्या है अंतर

फंड का प्रदर्शन जांचने के लिए आमतौर पर ट्रेलिंग रिटर्न और रोलिंग रिटर्न दो तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। ट्रेलिंग रिटर्न किसी एक तारीख से पीछे की ओर एक निश्चित अवधि का प्रदर्शन बताता है। उदाहरण के लिए, आज से पिछले तीन साल में किसी फंड ने कितना सालाना रिटर्न दिया, यह उसका तीन साल का ट्रेलिंग रिटर्न होगा। इसमें केवल दो तारीखों के बीच का प्रदर्शन शामिल होता है। इसलिए बाजार की तेजी या गिरावट का उस पर काफी असर पड़ सकता है। इसके विपरीत, रोलिंग रिटर्न अलग-अलग तारीखों से शुरू होने वाली समान निवेश अवधियों का प्रदर्शन दिखाता है। मान लीजिए किसी फंड का तीन साल का रोलिंग रिटर्न देखना है। इसके लिए अलग-अलग तारीखों पर निवेश शुरू करके अगले तीन साल के रिटर्न की गणना की जाती है। इससे पता चलता है कि बाजार के अलग-अलग दौर में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया। निवेशक यह समझ पाते हैं कि स्कीम ने केवल किसी एक अनुकूल अवधि में अच्छा रिटर्न दिया है या अलग-अलग परिस्थितियों में भी प्रदर्शन की निरंतरता बनाए रखी है।

तीन निवेशकों का उदाहरण समझिए

मान लीजिए तीन दोस्तों ने एक ही म्यूचुअल फंड में अलग-अलग वर्षों में निवेश किया। पहले दोस्त ने जनवरी 2021 में निवेश किया और जनवरी 2024 में पैसा निकाला। उसे सालाना 15 प्रतिशत रिटर्न मिला। दूसरे ने जनवरी 2022 में निवेश किया और जनवरी 2025 में निकासी की। बाजार की परिस्थितियों के कारण उसका रिटर्न 10 प्रतिशत रहा। तीसरे दोस्त ने जनवरी 2023 में निवेश शुरू किया और जनवरी 2026 में पैसा निकाला। उसे 14 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिला। तीनों अवधियों के रिटर्न का साधारण औसत करीब 13 प्रतिशत बैठता है। यह उदाहरण बताता है कि अलग-अलग समय पर निवेश करने वालों को एक ही फंड से अलग नतीजे मिल सकते हैं। हालांकि, वास्तविक रोलिंग रिटर्न का आकलन केवल तीन अवधियों का औसत निकालकर नहीं किया जाता।

कब बदलना चाहिए म्यूचुअल फंड?

फंड बदलने का फैसला केवल इस आधार पर नहीं करना चाहिए कि किसी दूसरी स्कीम ने पिछले एक साल, तीन साल या हाल की अवधि में उससे अधिक रिटर्न दिया है। म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय छोटी अवधि के उतार-चढ़ाव और रिटर्न की तुलना के बजाय फंड के लगातार प्रदर्शन और उसकी निवेश रणनीति को समझना ज्यादा जरूरी है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि संबंधित फंड लगातार अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी की दूसरी स्कीमों के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन तो नहीं कर रहा है। यदि ऐसा है तो यह भी समझना जरूरी है कि इसके पीछे बाजार की परिस्थितियां हैं या फंड प्रबंधन की रणनीति में कोई कमी है। क्या फंड मैनेजर बदला है? क्या निवेश की रणनीति, पोर्टफोलियो या प्रमुख कंपनियों में हिस्सेदारी में बड़ा बदलाव आया है? इसके अलावा यह भी जांचना चाहिए कि फंड का जोखिम स्तर आपकी वित्तीय जरूरतों, निवेश के उद्देश्य और निवेश अवधि के अनुरूप है या नहीं।

बार-बार फंड बदलने से कैसे घट सकता है मुनाफा?

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है और इसे 15 साल तक जारी रखता है। इस दौरान उसका कुल निवेश 27 लाख रुपये होगा। यदि निवेश को लंबे समय तक बनाए रखा जाए और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिले, तो दिए गए उदाहरण के अनुसार फंड की सकल कीमत करीब 71.39 लाख रुपये हो सकती है। दूसरी स्थिति में निवेशक हर तीन साल में फंड बदलता है। इस दौरान फंड बेचने और नई स्कीम में निवेश करने के बीच का अंतर, बाजार की टाइमिंग और संभावित शुल्क उसके नतीजे को प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण में बार-बार स्विच करने की स्थिति में सकल फंड मूल्य करीब 66.42 लाख रुपये माना गया है। दोनों स्थितियों में लगभग 4.97 लाख रुपये का अंतर दिखाई देता है। म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने या एक स्कीम से दूसरी में जाने पर एग्जिट लोड लग सकता है। इसकी दर और अवधि संबंधित स्कीम के नियमों पर निर्भर करती है। इसके अलावा, यूनिट बेचने पर होने वाले लाभ पर लागू कर भी निवेश के अंतिम मूल्य को प्रभावित करता है।

टैक्स बचाने को ईएलएसएस फंड सही निवेश से पहले जान लें नफा नुकसान

- पुरानी टैक्स व्यवस्था में 80सी के तहत सालाना 1.5 लाख तक की कटौती का लाभ
- तीन साल का लॉक-इन; शेयर बाजार में निवेश होने से रिटर्न की गारंटी नहीं
- पांच से सात साल का नजरिया रखना बेहतर

जानकारी
बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के साथ निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे लोगों के लिए इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकता है। इसकी खासियत यह है कि इसमें निवेश करने पर पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत आयकर अधिनियम की धारा 80सी के अंतर्गत कटौती का लाभ मिल सकता है। साथ ही, इसमें तीन साल का लॉक-इन होता है, जो कई दूसरी टैक्स बचत योजनाओं की तुलना में कम है। हालांकि, केवल टैक्स बचाने के उद्देश्य से ईएलएसएस में पैसा लगाना सही रणनीति नहीं है। निवेश से पहले इसके बाजार जोखिम, लॉक-इन और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। ईएलएसएस की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें निवेश की गई राशि पर पुरानी टैक्स व्यवस्था में सालाना अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का दावा किया जा सकता है। लेकिन यह सीमा केवल ईएलएसएसके लिए अलग से नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ), जीवन बीमा प्रीमियम और धारा 80सी के तहत आने वाले अन्य पात्र निवेश भी इसी सीमा में शामिल होते हैं। इसलिए यदि किसी व्यक्ति ने इन माध्यमों से पहले ही 1.5 लाख रुपये की सीमा का इस्तेमाल कर लिया है तो ईएलएसएस में अतिरिक्त निवेश करने से 80सी के तहत अलग से टैक्स लाभ नहीं मिलेगा। नई टैक्स व्यवस्था चुनने वाले अधिकांश करदाताओं को धारा 80सी की कटौती का लाभ नहीं मिलता। ऐसे में निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि आप किस टैक्स व्यवस्था के तहत रिटर्न दाखिल कर रहे हैं और पुरानी व्यवस्था में 80सी की कितनी सीमा पहले ही इस्तेमाल हो चुकी है। टैक्स बचत की गणना किए बिना केवल फंड की लोकप्रियता देखकर निवेश करना नुकसानदेह हो सकता है।



3 वर्ष का लॉक-इन, लेकिन मुनाफे की गारंटी नहीं

ईएलएसएस फंड में प्रत्येक निवेश की राशि पर तीन साल का लॉक-इन लागू होता है। यानी जिस तारीख को निवेश किया गया है, उस निवेश की यूनिट तीन साल पूरे होने से पहले नहीं निकाली जा सकती। एसआईपी के जरिये निवेश करने वालों को यह बात विशेष रूप से समझनी चाहिए। हर किस्त का लॉक-इन अलग-अलग होता है। उदाहरण के लिए, जनवरी में लगाई गई किस्त तीन साल बाद जनवरी में निकासी के योग्य होगी, जबकि फरवरी की किस्त का लॉक-इन अगले महीने पूरा होगा। पीपीएफ में निवेश की अवधि 15 साल और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) में पांच साल होती है। इसकी तुलना में ईएलएसएस का तीन साल का लॉक-इन कम है। यही वजह है कि टैक्स बचाने के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहने वाले लोगों के बीच यह लोकप्रिय विकल्प है। लेकिन तीन साल बाद पैसा निकालने की सुविधा का अर्थ यह नहीं है कि तीन साल में अच्छा रिटर्न मिलना तय है।

शेयर बाजार का जोखिम समझना जरूरी : ईएलएसएस एक इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड श्रेणी है। इसमें निवेश की गई राशि का बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में लगाया जाता है। बाजार में तेजी आने पर फंड का मूल्य बढ़ सकता है, लेकिन गिरावट के समय निवेश की कीमत घटने का जोखिम भी रहता है। इसलिए इसे निश्चित ब्याज देने वाली बैंक एफडी या छोटी बचत योजनाओं के समान नहीं समझना चाहिए। यदि किसी निवेशक को अगले दो-तीन साल में घर खरीदना है, बच्चों की फीस चुकानी है या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए रकम चाहिए तो केवल टैक्स बचाने के लिए ईएलएसएस में निवेश करना उचित नहीं होगा। इस फंड को कम से कम पांच से सात साल या उससे अधिक की निवेश अवधि को ध्यान में रखकर देखना बेहतर है।

नवंबर 2026 के लिए छह ईएलएसएस फंडों पर नजर

- केनरा रोबेको ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- मिराए एसेट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- इनवेस्को इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

फंड चुनते समय किन बातों की करें जांच

ईएलएसएस फंड चुनते समय केवल पिछले एक या तीन साल का रिटर्न देखना पर्याप्त नहीं है। यह भी जांचना चाहिए कि अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में फंड ने कैसा प्रदर्शन किया है। क्या उसने अपने बेंचमार्क और समान श्रेणी के दूसरे फंडों की तुलना में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है? बाजार में गिरावट के दौरान उसमें कितनी कमी आई? जोखिम के अनुपात में कितना अतिरिक्त रिटर्न मिला? इन सवालों के जवाब निवेश का फैसला लेने में मदद कर सकते हैं। फंड के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए रोलिंग रिटर्न, प्रदर्शन की निरंतरता और गिरावट के दौरान हुए नुकसान जैसे पैमानों को देखना उपयोगी है। अंततः ईएलएसएस में निवेश का फैसला केवल टैक्स बचत के आधार पर नहीं होना चाहिए। पहले अपनी टैक्स व्यवस्था और 80सी की उपलब्ध सीमा देखें। फिर निवेश की अवधि, बाजार जोखिम और जरूरत के समय पैसे की उपलब्धता पर विचार करें। टैक्स बचत के साथ संपत्ति बनाने का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब निवेश सही योजना, पर्याप्त अवधि और जोखिम को समझकर किया जाए।



कर्ज चुकाने में आगे, फिर भी महिला उद्यमियों को ऋण मिलने में बाधाएं

- महिलाओं के कारोबार ऋण में 2017 से 7.5 गुना वृद्धि
- कर्ज चुकाने का रिकॉर्ड भी बेहतर; इसके बावजूद केवल 4% महिला कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट सुविधा
- संपत्ति के दस्तावेज व डिजिटल पहुंच की कमी रुकावट

कर्ज-असमानता
बिजनेस डेस्क

महिलाएं कारोबार शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने में लगातार अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। ऋण लेने के बाद उसे समय पर चुकाने के मामले में भी उनका रिकॉर्ड बेहतर है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को कारोबार के विस्तार के लिए पर्याप्त कर्ज नहीं मिल पा रहा है। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल महिलाओं की आर्थिक क्षमता या ऋण चुकाने की योग्यता की नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था और कर्ज आकलन की प्रक्रिया में मौजूद संरचनात्मक बाधाओं की भी है। नीति आयोग और ट्रांसयूनियन सिबिल की अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल संस्थागत ऋण में महिलाओं की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। महिला कारोबारियों का ऋण पोर्टफोलियो 2017 के मुकाबले 7.5 गुना बढ़ा है। इसके बावजूद कारोबार के नाम पर ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या सीमित बनी हुई है।

बेहतर भुगतान का रिकॉर्ड

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में ऋण लेने वाली महिलाओं के ऐसे कर्ज की चूक दर, जिनकी किस्त 90 दिन या उससे अधिक समय से बकाया थी, कुल औसत चूक दर की तुलना में केवल 0.7 गुना रही। इसका अर्थ है कि महिला कर्जदारों का भुगतान रिकॉर्ड तुलनात्मक रूप से बेहतर रहा है। इसके बावजूद महिला उद्यमियों को बड़े ऋण और कारोबार चलाने के लिए जरूरी कार्यशील पूंजी हासिल करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई महिलाएं अपने कारोबार के लिए व्यक्तिगत ऋण, सूक्ष्म वित्त और मुद्रा योजना पर निर्भर हैं। इनसे छोटे स्तर पर कारोबार शुरू करने में मदद मिल सकती है, लेकिन कारोबार का विस्तार करने के लिए अधिक राशि, लचीली ऋण सुविधा और नियमित कार्यशील पूंजी की जरूरत होती है। यहां महिलाओं की पहुंच सीमित दिखाई देती है। इस अंतर का एक उदाहरण ओवरड्राफ्ट सुविधा है। अप्रैल 2026 तक केवल लगभग 4 प्रतिशत महिला स्वामित्व वाली कारोबारी इकाइयों के पास ओवरड्राफ्ट की सुविधा थी, जबकि सभी कारोबारों में यह अनुपात करीब 40 प्रतिशत था।

संपत्ति और दस्तावेजों की कमी बन रही बाधा

बैंक आमतौर पर ऋण देने से पहले संपत्ति, आय, वित्तीय रिकॉर्ड और कारोबार की स्थिति का आकलन करते हैं। महिलाओं के मामले में इन मानकों पर कई व्यावहारिक मुश्किलें सामने आती हैं। परिवार की संपत्ति अक्सर पुरुष सदस्यों के नाम पर होती है। ऐसे में महिला उद्यमी के पास कारोबार के लिए गिरवी रखने योग्य संपत्ति नहीं होती। इसके अलावा कई महिला संचालित कारोबार अनौपचारिक रूप से चलते हैं, जहां नियमित लेखा-जोखा, ऑडिट और आय से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते।

डिजिटल रिकॉर्ड से खुल सकते हैं नए रास्ते

अब ऋण देने की प्रक्रिया में डिजिटल वित्तीय रिकॉर्ड की भूमिका बढ़ रही है। मार्च 2025 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने के लिए डिजिटल आकलन की व्यवस्था शुरू की गई। इसमें वस्तु एवं सेवा कर रिटर्न, आयकर रिटर्न और बैंक विवरण जैसे आंकड़ों के आधार पर कारोबार की वित्तीय स्थिति समझने में मदद मिलती है। इससे पारंपरिक संपत्ति आधारित आकलन के विकल्प तैयार हो सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और निजी संस्थाएं भी आंकड़ों पर आधारित ऋण आकलन को बढ़ावा दे रही हैं। किनारा कैपिटल की 'हर विकास' जैसी पहल इसी दिशा में काम कर रही है। हालांकि, डिजिटल व्यवस्था अपने आप में सभी समस्याओं का समाधान नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋणों की संख्या के लिहाज से महिलाओं को केवल 19.8 प्रतिशत ऋण मिले, जबकि कुल संस्थागत ऋण में उनकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है।

मोबाइल इंटरनेट की कमी भी बन रही चुनौती

डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के लिए मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल जरूरी है। जीएसएमए के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 75 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन हैं, जबकि पुरुषों में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल 37 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल करती हैं। स्मार्टफोन, डिजिटल भुगतान और बैंकिंग सेवाओं तक सीमित पहुंच के कारण महिलाओं के वित्तीय लेनदेन का डिजिटल रिकॉर्ड भी अधूरा रह जाता है। ऐसे में बैंक और ऋण देने वाली संस्थाएं यदि केवल डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर कर्ज की पात्रता तय करती हैं तो महिलाओं के सामने नई बाधा खड़ी हो सकती है। इसके लिए ऋण आवेदन, वित्तीय प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं को सरल बनाना होगा।

कर्ज के साथ कारोबार पर नियंत्रण भी जरूरी

महिला उद्यमियों के वित्तीय समावेशन का अर्थ केवल उनके नाम पर ऋण स्वीकृत करना नहीं है। कई बार कर्ज महिला के नाम पर लिया जाता है, लेकिन उसका इस्तेमाल और कारोबार से जुड़े फैसले परिवार के पुरुष सदस्य करते हैं। ऐसी स्थिति में ऋण चुकाने की जिम्मेदारी महिला पर रहती है, जबकि धन के इस्तेमाल पर उसका वास्तविक नियंत्रण नहीं होता। इसलिए बैंकों, सरकार और वित्तीय संस्थाओं को महिला उद्यमियों के नाम पर अलग कारोबारी बैंक खाते, व्यक्तिगत यूपीआई पहचान और नियमित वित्तीय रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। संयुक्त संपत्ति के दस्तावेजों को भी पात्र परिस्थितियों में गिरवी के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा सकता है।

अगले साल के लिए नजर रखें इन फ्लेक्सी कैप फंड पर



- बाजार की अनिश्चितता के बीच बड़े, मझोले और छोटे शेयरों में निवेश की आजादी
- तीन साल के प्रदर्शन, जोखिम और रिटर्न के आधार पर तीन योजनाएं चर्चा में

सुझाव
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करते समय केवल तेजी दिखाने वाले शेयरों या फंड के पीछे भागना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बाजार में ऊंचे मूल्यांकन, अलग-अलग कंपनियों और क्षेत्रों के प्रदर्शन में अंतर, वैश्विक अनिश्चितताएं और उतार-चढ़ाव निवेशकों के सामने चुनौती बने हुए हैं। ऐसे माहौल में निवेश का विविधीकरण महत्वपूर्ण हो जाता है। म्यूचुअल फंड की फ्लेक्सी कैप श्रेणी इसी जरूरत को पूरा करने का विकल्प देती है। फ्लेक्सी कैप फंड को बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश करने की स्वतंत्रता होती है। फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों, कंपनियों के मूल्यांकन और भविष्य की संभावनाओं के अनुसार इन तीनों श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे किसी एक बाजार श्रेणी पर निर्भरता कम करने और अलग-अलग क्षेत्रों में अवसर तलाशने की गुंजाइश मिलती है। इक्विटीमास्टर की 7 नवंबर 2026 की रिपोर्ट में तीन ऐसे फ्लेक्सी कैप फंड का उल्लेख किया गया है, जिन्हें 2027 के लिए निगरानी सूची में रखा जा सकता है।

1. व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 2022 में शुरू हुआ व्हाइटओक कैपिटल फ्लेक्सी कैप फंड अपेक्षाकृत नया है, लेकिन तीन साल के प्रदर्शन में इसने अपनी श्रेणी और बेंचमार्क से बेहतर रिटर्न दिया है। फंड का निवेश दृष्टिकोण कंपनियों के चयन पर आधारित है। यह किसी एक क्षेत्र या निवेश शैली पर अत्यधिक निर्भर रहने के बजाय अलग-अलग उद्योगों और बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करता है। पिछले तीन वर्षों में फंड ने 14.36 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इस अवधि में श्रेणी का औसत रिटर्न 12.39 प्रतिशत था। जोखिम के लिहाज से भी इसके आंकड़े उल्लेखनीय हैं। फंड का मानक विचलन 13.83 रहा, जबकि श्रेणी का औसत 14.39 था। शार्प अनुपात 0.18 और सॉर्टिनो अनुपात 0.33 रहा। दोनों आंकड़े श्रेणी के औसत से बेहतर हैं। सितंबर 2026 तक इस फंड का प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति आकार (एयूएम) करीब 9,300 करोड़ रुपये था। फंड के पोर्टफोलियो में 155 शेयर शामिल थे। आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में थे। इसका लगभग 50-54 प्रतिशत निवेश बड़े शेयरों में, 6-9 प्रतिशत मझोली कंपनियों में और 22-29 प्रतिशत छोटी कंपनियों में रहा। इसका पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत अधिक सक्रिय रहता है।

2. आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड

अगस्त 1998 में शुरू हुआ आदित्य बिड़ला एसएल फ्लेक्सी कैप फंड इस श्रेणी की पुरानी योजनाओं में शामिल है। पहले यह आदित्य बिड़ला एसएल इक्विटी फंड के नाम से जाना जाता था। यह मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों में निवेश करता है, लेकिन बेहतर विकास संभावनाओं के लिए मझोली और छोटी कंपनियों में भी हिस्सेदारी रखता है। इसकी निवेश रणनीति ऐसी कंपनियों की पहचान पर केंद्रित है, जिनकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही हो, लाभ मार्जिन में सुधार हो रहा हो और पूंजी के इस्तेमाल की क्षमता बेहतर हो। पिछले तीन वर्षों में इस फंड ने 15.48 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया। इसी अवधि में निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत और श्रेणी का औसत 12.39 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 13.17 था, जो बेंचमार्क और श्रेणी औसत से कम है। शार्प अनुपात 0.20 और सॉर्टिनो अनुपात 0.38 रहा। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 28,000 करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में लगभग 85 शेयर थे। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसबीआई इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। फंड का कारोबार अनुपात 20-30 प्रतिशत के आसपास रहा, जो अपेक्षाकृत लंबी अवधि तक निवेश बनाए रखने की रणनीति को दर्शाता है। पिछले एक साल में इसका 55-67 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा।



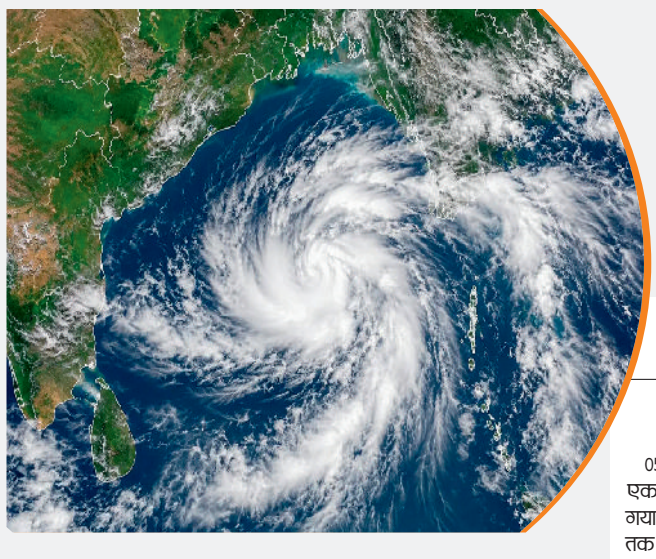
3. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग की पुरानी योजनाओं में से एक है। इसकी शुरुआत जनवरी 1995 में एचडीएफसी इक्विटी फंड के नाम से हुई थी। यह फंड बाजार मूल्यांकन और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में निवेश का अनुपात बदलता है, हालांकि इसका झुकाव आमतौर पर बड़ी कंपनियों की ओर रहता है। फंड की रणनीति मजबूत कारोबारी आधार और लंबी अवधि में विकास की संभावना वाली कंपनियों में निवेश करने की है। पिछले तीन वर्षों में इसने 16.19 प्रतिशत सीएजीआर से रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी 500 टीआरआई का रिटर्न 10.85 प्रतिशत रहा। इसका मानक विचलन 12.37 था, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। शार्प अनुपात 0.22 और सॉर्टिनो अनुपात 0.40 रहा। ये आंकड़े इसकी जोखिम-समायोजित प्रदर्शन क्षमता को दर्शाते हैं। सितंबर 2026 तक इसका एयूएम करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये था। पोर्टफोलियो में आमतौर पर 45-55 शेयर रहते हैं। आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक इसकी प्रमुख हिस्सेदारियों में शामिल थे। इसका करीब 70-75 प्रतिशत निवेश बड़ी कंपनियों में रहा। फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश का बड़ा फायदा यह है कि फंड प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश बदल सकते हैं।

उत्तर भारत में बदलेगा मौसम का मिजाज, बूंदाबादी के आसार

दिल्ली-यूपी समेत कई राज्यों में देखने मिलेगा बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का दौर

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो चुका है सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, 15 से 20 नवंबर के बीच उत्तर-पश्चिम भारत के पहाड़ी और मैदानी इलाकों से लेकर पूर्वी भारत तक बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं का दौर देखने को मिलेगा।

16 से 17 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में और 14 से 17 नवंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है। 15 नवंबर को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। इसका असर मैदानी राज्यों पर भी दिखेगा। दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में बारिश हो सकती है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दाब क्षेत्र 14 नवंबर को सुबह 05:30 बजे (आईएसटी) तक उसी क्षेत्र में एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र में तब्दील हो गया है और सुबह 08:30 बजे (आईएसटी) तक वहीं बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार, इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान उसी क्षेत्र में एक अवदाब में बदलने की प्रबल संभावना है। इसके बाद यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए लगभग 16 नवंबर की शाम तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में और अधिक तीव्र हो सकता है। इसरो के इनसैट-3डीएस सैटेलाइट ने अंडमान सागर के ऊपर बादलों की तेज गतिविधियों को कैप्चर किया है। यहां कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जिससे नए चक्रवात बनने की आशंका है। चक्रवात बना तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है।

बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी

15 नवंबर को पूर्वी राजस्थान में भी हल्की बरसात के आसार हैं। बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की भी चेतावनी जारी की गई है। 15 नवंबर को उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में 30 से 40 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान राजस्थान के दोनों हिस्सों में आंधी और बिजली गिरने की भी आशंका बनी रहेगी।

पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी

पूर्वी भारत में मौसम का असर ज्यादा व्यापक रहेगा। 15 से 20 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में और 19-20 नवंबर को ओडिशा के बड़े हिस्से में व्यापक बारिश होने के आसार हैं। 15 से 16 नवंबर तक अंडमान-निकोबार में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा 15-16 नवंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, 18-20 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, 19-20 नवंबर को झारखंड और 18 नवंबर को ओडिशा में छिटपुट बारिश की संभावना है।



जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कई जगह बर्फबारी

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कई जगह बर्फबारी के बाद बड़ी संख्या में टूरिस्ट मनाली पहुंच रहे हैं। इसके चलते चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर ट्रैफिक जाम लग गया। उत्तराखंड के 7 जिलों में आज बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम में बदलाव के बीच दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण से राहत नहीं मिली है। यहां हवा की गुणवत्ता लगातार गंभीर कैटेगरी में बनी हुई है। शनिवार सुबह दिल्ली के आईटीओ इलाके में एक्यूआई 414 दर्ज किया गया। वहीं, गुरुग्राम में यह 324 रहा।

तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित 'भारत शिखर सम्मेलन' को किया सम्मेलन

'अब देश में लोकतंत्र नहीं बचा' भारत समिट में सरकार पर बरसे राहुल

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि भारत अब वास्तव में लोकतंत्र नहीं रहा।

गांधी ने यहां तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित 'भारत शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए सवाल किया कि अगर निर्वाचन आयोग 14 करोड़ मतदाताओं को अवैध घोषित कर देता है, तो चुनाव वैध कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा, 'दुनिया भर में लोकतांत्रिक आंदोलन के लिए यह जरूरी है कि भारत एक लोकतंत्र बना रहे, लेकिन हमने जो पाया है और साबित किया है, वह यह है कि भारत अब वास्तव में लोकतंत्र नहीं रहा।' गांधी ने कहा कि 2014 में कांग्रेस ने एक बिल्कुल नया चुनाव देखा, जिसमें राजनीतिक व्यवस्था के भीतर लाखों डॉलर लगाए गए और एक बिल्कुल अलग तरह का प्रचार अभियान चलाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पाया कि भारत में 2014 में लोकतंत्र नष्ट हो गया था।

विदेशी प्रतिनिधियों से माफी मांगी

राहुल गांधी ने हैदराबाद में 'भारत शिखर सम्मेलन' में शामिल न हो पाने वाले विदेशी प्रतिनिधियों से माफी मांगी और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उन्हें इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि इससे संकेत मिलता है कि 'भारत में हमें किस तरह के हालात का सामना करना पड़ रहा है'।

फासीवादी ज्यादा जोर से बोलते हैं

राहुल गांधी ने कहा कि फासीवादी लोग ज्यादा जोर से बोलते और चिल्लाते हैं, जबकि बहुसंख्यक लोग दूसरों की बात सुनते हैं, ध्यान देते हैं और विनम्र बने रहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी वजह से फासीवादी लोगों की आवाज ज्यादा तेज सुनाई देती है। राहुल गांधी ने कहा कि वह खुद उन लोगों की श्रेणी में आते हैं, जो दूसरों की बात सुनते हैं, संवेदनशील होते हैं और खुद को भगवान या हर सवाल का जवाब जानने वाला नहीं मानते।



गिग वर्कर्स की बाइक रैली में हुए शामिल

यहीं हैदराबाद में राहुल शनिवार को गिग वर्कर्स की बाइक रैली में भी शामिल हुए। इस दौरान वह एक महिला गिग वर्कर की स्कूटी पर पीछे बैठे नजर आए। रैली में उन्होंने वर्कर्स से कहा- , भाजपा अरबपतियों को फायदा पहुंचा रही है। हम आपको मजदूर नहीं, पार्टनर बनाना चाहते हैं।

तमिलनाडु के तनिष्क शोरूम में करोड़ों की लूट

चेन्नई। तमिलनाडु के मदुरई में तनिष्क शोरूम में हुई करोड़ों रुपये की लूट के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, मदुरई के बायपास रोड पर स्थित तनिष्क शोरूम में यह चोरी हुई थी। गुरुवार सुबह जब कर्मचारी शोरूम पहुंचे तो उन्हें डिस्प्ले में रखी ज्वेलरी गायब मिली. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के मुताबिक, शोरूम से 11.465 किलो सोना चोरी हुआ था। इसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपये बताई गई। इसके अलावा करीब 15 करोड़ रुपये के हीरे के गहने भी चोरी हुए थे। इस तरह चोरी हुई ज्वेलरी की कुल कीमत करीब 31 करोड़ रुपये बताई गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान यूट्यूबर निशांत के पिता सुरेश और उसकी गर्लफ्रेंड मीनाक्षी के रूप में हुई है।

असम राइफल्स और डीआरआई का बड़ा एक्शन, 60 करोड़ की ड्रग्स बरामद



एजेंसी ▶▶| गुवाहटी

असम में नशे के कारोबार के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है। असम राइफल्स और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस(डीआरआई) सिलचर की संयुक्त टीम ने कछार जिले के बोरखोला इलाके में कार्रवाई करते हुए एक वाहन को रोका।

इस वाहन से डब्लूवाई टैबलेट की बड़ी खेप बरामद की गई है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 60 करोड़ रुपये है। यह वाहन मिजोरम से असम आ रहा था। वाहन चालक ने असम राइफल्स और डीआरआई की संयुक्त टीम की नजर से बचने की बहुत कोशिश की लेकिन संयुक्त टीम ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। काफी दूर तक पीछा करने के बाद डंपर को टीम ने रोका। तलाशी के दौरान टीम ने यह भारी बरामदगी की। नशीली दवाओं डंपर ट्रक की बॉडी के अंदर एक खास रूप से बनाए गए कैबिनेट में छिपाकर रखा गया था।



प्रथम पृष्ठ का शेष

सरकारी स्कूलों में...

क्या है, इसका उपयोग कैसे किया जाता है और इसके जरिए फोटो, म्यूजिक, डॉक्यूमेंट तथा वेबसाइट तैयार करने जैसी बुनियादी जानकारियां दी जाएंगी। साथ ही एआई के नैतिक उपयोग (एआई एथिक्स) के बारे में भी बताया जाएगा। इसी तरह कक्षा 9वीं और 10वीं में एआई की मूल अवधारणाओं, मशीन लर्निंग, एआई प्रोग्रामिंग के परिचय और मिनी प्रोजेक्ट पर जोर रहेगा। वहीं कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को एआई के लिए गणित एवं सांख्यिकी, एआई लाइब्रेरी, डेटा सिक्योरिटी और प्राइवेसी जैसे विषय पढ़ाए जाने का प्रस्ताव है।

रायपुर का युवक...

टिकेश्वर 16 सितंबर तक अपने परिजनों के संपर्क में था। इसके बाद से उसका परिवार के साथ किसी तरह से संपर्क नहीं हुआ। परिजनों को उसके गिरफ्तार होने की जानकारी एक माह बाद मिली। वकील से मिलने से रोकने जेल बदल रहे : टिकेश्वर से मिलने उनका वकील तीसरी कोशिश में सफल हो पाया। वकील जब भी जेल जाता, टिकेश्वर को दूसरी जेल में शिफ्ट कर दिया जाता था। रूस में वकील सुनवाई के अनुसार भारतीय मुद्रा में 50 से 60 हजार रुपए फीस लेते हैं। परिजन अब तक डेढ़ लाख रुपए से ज्यादा की राशि खर्च कर चुके हैं। **दूतावास ने दी डिटेन होने की जानकारी** : टिकेश्वर की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने पर परिजनों ने इंडियन एंबेसी से संपर्क किया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि इंडियन एंबेसी से उन्हें जिस तरह से मदद मिलनी चाहिए थी, उस तरह की उन्हें मदद नहीं मिल रही। कुछ दिन पूर्व भारतीय दूतावास ने मेल के जरिए टिकेश्वर के डिटेन होने की जानकारी उनके परिजनों को दी है। टिकेश्वर की दो बेटियां हैं, एक 14 तथा दूसरी चार साल की है। पीड़ित रायपुर में एक निजी कंपनी में पूर्व में मैनेजर के पद पर कार्य करता था। **पुलिस बोली सीआईडी के माध्यम से भेजी जा रही जानकारी** : इस संबंध में पुलिस कमिश्नरेट के अफसरों से संपर्क किया गया, तो अफसरों ने बताया कि उन्हें टिकेश्वर के रूस में डिटेन करने की जानकारी मिली है। इसके बाद इसकी जानकारी सीआईडी के माध्यम से केंद्रीय गृहमंत्रालय को भेजी जाएगी। परिजनों ने राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा गृहमंत्री विजय शर्मा से भी मदद की गुहार लगाई है। **इसी नेचर की राज्य में दूसरी घटना** : बिलासपुर निवासी विनीत कुमार दुबे अक्टूबर की शुरुआत में रूस गए थे, जहां उन्हें कथित तौर पर हिरासत में लिया गया और सेना में शामिल होने के लिए यातनाएं दी गईं। दोनों मामलों में रूस में नौकरी के लिए जाने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उन्हें कथित तौर पर सैन्य सेवा में शामिल होने के लिए मजबूर किए जाने की यह दूसरी घटना है। विनीत को भी ड्रग के झूठे केस में फंसाया गया है।

27 समाज प्रमुखों...

के कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां से 12 बजे लौटेंगे और रायगढ़ से 12.15 बजे विशेष विमान से पटना जाएंगे। धरमजयगढ़ के कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ ही पूरी सरकार रहेगी। इसी के साथ प्रदेश के सांसद, विधायक और भाजपा के पदाधिकारी भी रहेंगे। भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी सिद्धार्थ शंभू भी कार्यक्रम में रहेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन तय कार्यक्रम के मुताबिक सुबह करीब दस बजे विशेष विमान से रायगढ़ के विमानतल पहुंचेंगे। उनके साथ भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी भी आएंगी। रायगढ़ से हेलीकाप्टर द्वारा वे धरमजयगढ़ के कार्यक्रम जाएंगे। इसके बाद वे 12.15 बजे पटना के लिए उड़ान भरेंगे। रविवार को छठ का कार्यक्रम होने के कारण वे अपने राज्य के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। **आयोजन में रहेगी पूरी सरकार**-धरमजयगढ़ के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव रविवार की सुबह को रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा के साथ ही जनजाति समाज के मंत्री केदार कश्यप, रामविचार नेताम, रायगढ़ जिले के मंत्री ओपी चौधरी सहित सभी मंत्री शामिल होंगे। कार्यक्रम में जनजाति समाज से जुड़े सभी जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। **रायगढ़ जिले के समाज प्रमुखों को अहमियत**-कार्यक्रम के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का समय बहुत सीमित है, इसके बाद भी वे रायगढ़ जिले के जनजाति समाज के प्रमुखों से अलग से चर्चा करेंगे। इसके लिए अलग-अलग समाज के 27 प्रमुखों को आमंत्रित किया गया है। इसमें गोंड, कवर, पहाड़ी कोरवा, पंडो, बिरहोर, खड़िया, धनवार, नगेशिया, उरांव, सौंरा, राठिया, मैना और मझवार समाज के प्रमुख शामिल हैं।

पीएम मोदी का...

कार्यक्रम के दौरान बैगा पुजारी सम्मान निधि योजना की राशि का अंतरण भी बटन दबाकर किया जाएगा, साथ ही राज मोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना अंतर्गत राशि का वितरण होगा। इसके साथ ही जनजाति एवं उप जनजाति प्रमुखों का सम्मान भी होगा।

कभी महीनेभर चलती...

चलता था। इसमें 25 से 30 तक बैठकें होती थीं। शीतकालीन सत्र भी 10 से 12 बैठकों तक पहुंचता था। अब बजट सत्र की बैठकें घटकर 15 और शीतकालीन सत्र चार बैठकों तक सिमट गया है। **27 से 15 हुईं बजट सत्र की बैठकें**-वर्ष 2011 में 17 फरवरी से 31 मार्च तक चले बजट सत्र में 27 बैठकें हुई थीं। इस दौरान सदन की कार्यवाही करीब 135 घंटे 36 मिनट चली। इसके मुकाबले वर्ष 2026 में 23 फरवरी से 20 मार्च तक आयोजित बजट सत्र में 15 बैठकें हुईं और करीब 108 घंटे चर्चा हुई। यानी 15 वर्षों में बैठकों की संख्या में लगभग 44 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि कुल कार्यवाही का समय करीब 20 प्रतिशत कम हुआ है। वर्ष 2012 में 20 और 2013 में 25 बैठकें हुईं। वर्ष 2015 में 17, 2016 में 20 और 2018 में 16 बैठकें हुईं। इसके बाद वर्ष 2022 में बैठकों की संख्या घटकर 10 रह गई। वर्ष 2023 में 14 बैठकें हुईं, जबकि 2024 और 2025 में 17-17 बैठकें आयोजित की गईं। वर्ष 2026 में फिर यह संख्या घटकर 15 हो गई। यानी बीच के वर्षों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबे समय में बजट सत्र की बैठकें कम हुई हैं।

शीत सत्र में...

बैठकें हुईं। इस बार दिसंबर में प्रस्तावित शीतकालीन सत्र में चार बैठकें निर्धारित हैं। शुरुआती वर्षों के मुकाबले अब शीत सत्र में चर्चा और विधायी कामकाज के लिए उपलब्ध समय काफी कम रह गया है। विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव देवेंद्र वर्मा बताते हैं कि राज्य निर्माण के बाद के वर्षों में बजट सत्र लगभग एक माह तक चलता था। पावस और शीतकालीन सत्र भी 10 से 15 दिनों तक बुलाए जाते थे। पिछले कुछ वर्षों में सत्रों की अवधि में कमी आई है।

सदन में सवालों...

विनियोग विधेयक पर 6 घंटे 49 मिनट खर्च हुए। इससे स्पष्ट है कि कम बैठकों के बावजूद बजट पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय निर्धारित किया गया था। लेकिन बड़ी संख्या में प्राप्त प्रश्नों और सूचनाओं के मुकाबले सदन में उठाए जा सकने वाले मुद्दों की संख्या सीमित रहती है।

हरिभूमि-आईएनएच की...

आई और वहां पहुंची जहां पनीर को ठिकाने तक पहुंचाने के लिए ठेले में लोड किया जा रहा था। कार्रवाई करते हुए संदेह के आधार पर उसे सीज कर खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कार्यालय तक लाया गया। जांच के दौरान डेढ़ सौ किलो पनीर लूज (खुली पन्नी) में था जबकि डेढ़ सौ किलो पनीर 5-5 किलो के पैकेट में था। पैकेट में भोज मीडियम फैट का लेबल अंकित था जिसकी बड़ी गड़बड़ी मैन्युफैक्चरिंग डेट 25 नवबंर यानी दस दिन बाद का था। पनीर को संदिग्ध माना गया और उसे नगर-निगम की गाड़ी बुलाकर सीधे नष्ट करा दिया गया।

कम नहीं हो रही उपलब्धता- एनालॉग पनीर बैन होने और मिल्क मेड पनीर का मात्रा सीमित होने के बाद भी प्रदेश में इसकी उपलब्धता कम होने का नाम नहीं ले रही है। बड़े से लेकर छोटे होटल, रेस्टोरेंट के साथ स्ट्रीट वेंडरों के पास भी पनीर से संबंधित उत्पाद आसानी से मिल रहे हैं। इस बात की आशंका बनी हुई है कि उन राज्यों से पनीर की सप्लाई लगातार हो रही है जहां इसके निर्माण और बिक्री पर बैन नहीं है।

प्रतिबंध के बाद भी सप्लाई छत्तीसगढ़ में- एनालॉग (नकली पनीर) हर प्रकार से प्रतिबंधित है। मध्यप्रदेश महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में बन रहा है। इसके बावजूद तेल, फैट, सस्ता पाम आयल दूध पाउडर से बनने वाला एनालॉग बड़ी मात्रा में बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ समेत ओडिशा में सप्लाई किया जा रहा है।

डेढ़ सौ किलो...

किसी तरह के दस्तावेज नहीं मिले थे इसलिए उसे भी संदिग्ध माना गया और नष्टीकरण की कार्रवाई की गई।

लगभग 1500 किलो...

कार्रवाई के दौरान नकली पनीर बेचने वालों के ख़िलाफ़ महत्वपूर्ण जानकारियां हाथ लगी हैं।

आज से धान...

लक्ष्य है। किसानों को समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना की सहायता मिलाकर 3100 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से लाभ देने की व्यवस्था की गई है। कॉमन धान का समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। केंद्रों में बारदाना, इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरण, भंडारण और परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए डिजिटल टोकन व्यवस्था लागू की गई है। अब तक 3,50,972 टोकन पंजीकृत हो चुके हैं। रविवार को प्रदेश के 1584 खरीदी केंद्रों में धान बिक्री के लिए किसानों को 6054 टोकन जारी किए गए हैं। प्रदेश में खरीदी के लिए 360 नए केंद्रों को मंजूरी मिलने के बाद कुल केंद्रों की संख्या बढ़कर 3,100 हो गई है। खरीदी 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक प्रस्तावित है।

2023 से अब...

आदान सहायता का प्रावधान विशेष रूप से उन किसानों के लिए उपयोगी होगा, जिनकी वास्तविक उपज निर्धारित अधिकतम खरीदी सीमा से कम रहती है। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के संबंध में अधिक सुविधा और आर्थिक सहायता की निश्चितता मिलेगी।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?
वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

Education Institutions

राजीव लोचन आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल चरंखुरी, दुर्ग (छ.ग.)
आयुर्वेद पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश सूचना सत्र 2026-27
छत्तीसगढ़ शासन चिकित्सा शिक्षा (आयुष) द्वारा मंत्रालय द्वारा अनुमति तथा छत्तीसगढ़ सह- चिकित्सा परिषद छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एक वर्षीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।
क्र. पाठ्यक्रम - सीटों की संख्या
1. फार्मासिस्ट आयुर्वेद - 30
2. पंचकर्म सहायक - 30
योग्यता:- 10+2 प्रणाली की बायोलॉजी विषय के साथ छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण आवेदन शुल्क 1000/- रू. का बैंक ड्राफ्ट/नगद के साथ अंतिम तिथि 28.11.2026 तक सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ महाविद्यालय के पते पर डाक द्वारा/सीधे कार्यालयीन अवधि में आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं।
1. शासकीय/निजी संस्थान में नियुक्ति हेतु मान्य 2. छत्तीसगढ़ शासन पैरामेडिकल कांउसिल द्वारा पंजीयन 3. छ.ग. राज्य आयुर्वेद सह चिकित्सकीय पाठ्यक्रम की निजी एकमात्र मान्यता प्राप्त संस्थान
टीप:- विस्तृत जानकारी आवेदन पत्र हेतु महाविद्यालय के वेबसाईट www.rlamcollege.org अवलोकन करें।

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम में काउंटर सेल्स कार्य हेतु 12वीं पास 15 लड़कों की आवश्यकता है टू व्हीलर गाड़ी चलाना आता हो सम्पर्क करें- अर्बन लिविंग मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 81090 90000, 7599999110 (42290)

आवश्यकता है- यूटीएन शॉप में सर्वे कार्य हेतु लड़के, लड़कियां (सैलरी 10000 से 15000) एवं कम्पनी में गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 799594790 (42276)

आवश्यकता है- इंग्लिश मीडियम स्कूल में विषय अनुसार अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान पढ़ाने हेतु अनुभवी शिक्षक, शिक्षिकाओं की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जय हिन्द पब्लिक स्कूल लखराम रतनपुर बिलासपुर 99817 66606 (42289)

आवश्यकता है- उमा एजेन्सी में कार्य करने हेतु लड़के/लड़कियों, छोटा हाथी एवं कार ड्राइवर तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विजय नगर जेबीसी स्कूल के पास देवरीखुर्द बिलासपुर 93015 17722 (42266)

आवश्यकता है- मूर्ति दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जयपुर मूर्ति भंडार संजोग वाटिका के पास रघु विहार अशोक नगर सरकंडा बिलासपुर (42295)

आवश्यकता है- एक कुशल ड्राइवर की आवश्यकता है जो वैगनार ऑटोमैटिक और क्रेटा चला सके। सम्पर्क करें- अग्रवाल प्रियदर्शिनी नगर बिलासपुर 9300416538 (42296)

आवश्यकता है- कानूनी पुस्तकों के विक्रय हेतु 10वीं पास लड़के, लड़कियां चाहिए वेतन- 7000 से 10000+ कमीशन पता- आदर्श लॉ हाउस प्रा.लि. डीपी कॉलेज के सामने पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर 9827079947, 9424163066 (42273)

आवश्यकता है- रूम सर्विस एवं रेस्टोरेंट में कार्य करने के लिए तीन लड़कों की आवश्यकता है रहने खाने की व्यवस्था सम्पर्क करें- होटल राज दयालबंद बिलासपुर 9893005346 (42297)

आवश्यकता है- कार एवं बाईक एसेसरीज दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन, हैल्पर तथा लॉज में कार्य करने हेतु हाउस कीपिंग स्टाफ लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869523344, 7301717175 (42287)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्स मैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार बिलासपुर 9827923507 (42292)

Required- North Eastern Public School (CBSE Affiliated) Jarondha Takhatpur Applications are invited for the following positions- Principal-1, Vice Principal- 1, Counsellor- 4, Receptionist- 2, PGT-2, TGT-2, Physics Lecturer- 1, Chemistry Lecturer-1, Biology Lecturer- 1, Security Guard- 2, Hostel Warden- 2, Eligibility- Relevant qualifications, experience and excellent communication and interpersonal skills. For teachers- Fluent English speaking skills compulsory Contact- 8103718666 (42291)

आवश्यकता है- (1) एकाउंटेंट- 1पद- (युवती/महिला) GST, Tally, Excel, सेल पर्चेज, स्टॉक एवं बैंकिंग का अनुभव हो। (2) सुपरवाईजर- 5पद (टोल नाके मे काम करने के इच्छुक लोग भी मिले) (3) मैकेनिकल-2पद (जो आलराउंडर हो, गाड़ियां क्रेशर मेंन्टेनेन्स अनुभवी हो) (4) ड्राईवर-4पद Bs6 टाटा हाईवा, 12चक्का चलाने हेतु (हैवी लायसेंस, 5वर्ष अनुभवी,(5) 4पद बस ड्राइवर स्लीपर कोच ऑल इंडिया परमिट अशोक लिलैण्ड 13.5 मीटर की बसे लम्बी दूरी इन्टर स्टेट चलाने का अनुभवी लायसेंस बैच सहित, (6) 1पद HM लोडर Bs6 आपरेटर (7) एक मुंशी खदान क्रेशर में काम करने का अनुभवी हो। वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा आईडी, आधार कार्ड लायसेंस फोटो सहित सम्पर्क करें- मां शारदा क्रेशर उद्योग मांईन्स, नर्मदा नगर, बिलासपुर 989390 0999 ईमेल करें- stbm999 @gmail. com (42299)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (42268)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644 433021, 07752-337082 (42293)

आवश्यकता है
बजाज व्हीकलीर सर्विस सेन्टर में कार्य करने हेतु निम्नलिखित पदों पर कर्मचारियों की आवश्यकता है
मैकेनिक- 4 पद
सेल्स एजीक्यूटिव- 5 पद
हेल्पर- 4 पद
स्पेयर पार्ट्स असिस्टेंट- 1 पद
बिलिंग एजीक्यूटिव- 1 पद
वॉशिंग स्टाफ- 6 पद
नोट- अनुभवी अभ्यिकर्ता को प्राथमिकता दी जाएगी
पता- शारदा बजाज, ICICI बैंक के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर
बायोडाटा/ रिज्यूम मोबाइल पर भेजें-
9039091740
Email ID- hrshardabajaj@gmail.com

आवश्यकता है- UPVC सिस्टम विंडो, किचन, रेलिंग सेल्स हेतु सेल्समैन चाहिए सैलरी 15000 से 40000+ इंसेंटिव+ साप्ताहिक अवकाश अनुभव- 1-2वर्ष सेल्स अनुभव अनिवार्य (फ्रेशर्स सम्पर्क ना करें) पता- व्यापार विहार, बिलासपुर 62604 35141 (42285)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में माल निकालने, जमाने, साफ सफाई हेतु लड़के, लड़कियां एवं काउन्टर सम्भालने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें-प्रीमियर एजेन्सीज, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा बिलासपुर (42288)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। पता- जैन मेडिकल सिम्स हॉस्पीटल के सामने गोड़पारा सदर बाजार बिलासपुर (कार्य समय सुबह 9.30 बजे से रात 8.30 बजे तक) (42294)

आवश्यकता है- मास्टर एवं कारीगरों की टीम तथा सेल्समैन की आवश्यकता है। (1) मास्टर एवं कारीगर- मेंस वियर की सिलाई एवं फिनिशिंग का अच्छा अनुभव हो। (2) टेलर / दर्जी- पैंट, शर्ट, कुर्ता, ब्लेजर आदि की सिलाई का अच्छा अनुभव हो। (3) सेल्समैन-कपड़ों की क्वालिटी, फैब्रिक एवं गारमेंट्स की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। पारिश्रमिक 5000 से योग्यता, अनुभव एवं हुनर के अनुसार। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9399970310 (42272)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, बाउन्सर, सुपरवाईजर, गनमैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, घरेलू साफ सफाई हेतु बाई पेमेन्ट-12000 से 20000 पता- एक्सपर्ट सिक्युरिटी सर्विस, जेजे हॉस्पिटल के पास तोरवा, बिलासपुर 98930 41578, 7223821623, 7223026026, 80852 33213 (42298)

आवश्यकता है- होटल में काम करने हेतु फ्राइपैन, मिस्त्री, वेटर पार्सल सर्विस, रोटी बनाने लड़का/ लड़की चाहिए वेतन योग्यता अनुसार रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- पाण्डेय स्वीट्स, अशोक नगर बिलासपुर 9907748408 (42277)

Requirment- (1) Interior designer for Modular Kitchen showroom M/F- 2 (2) Sales person/sale Executive- M/F- 3 (3) Driver for Car- 2 (4) बाई खाना बनान, सफाई हेतु-2, सम्पर्क करें- 98279 00065, 7415408411 (42282)

आवश्यकता है- Urgent Requirement त्वरित आवश्यकता लोकेशनः उरला, रायपुर (छत्तीसगढ़) Post-40 Salary: 22000 (CTC) 18500 (in hand) PF & ESIC फैसिलिटी-रहने की निःशुल्क व्यवस्था लोकेशनः मॉल (Mall), रायपुर सिटी Salary: 18500 (CTC) 16000 (in hand) PF & ESIC योग्यताः हाइट-5'-5'' वजन 55kg दसवीं पास पताः मध्य भारत सिक्योरिटी सर्विस, सोनकर बाड़ी के पीछे, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.) मो.- 9244767619, 92447 67686, 6267596471 (108)

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है वेल्डर वेतन-20000, हेल्पर वेतन- 10000 से 12000 सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से 5बजे तक उमेश इंजीनियरिंग घुरीपारा, मंगला बिलासपुर 9098220011, 8085888288 (42257)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में मैनेजर वर्क सेल्स, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्शन नामांतरण एवं नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 (42261)

आवश्यकता है- बिलासपुर में साउंड सिस्टम शोरूम में कार्य करने हेतु मेहनती, ईमानदार जिम्मेदार युवकों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 12000+ इंसेंटिव और बोनस। अनुभवी उम्मीदवारों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9685005500 (42233)

आवश्यकता है- कार ड्राइवर चाहिए गाड़ियां चलाने का 3 से 5वर्ष अनुभवी, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, स्थानीय रास्तों का जानकार हो। वेतन योग्यता अनुसार (15000 से 18000 सम्पर्क करें- अर्जुन ट्रेडर्स बिलासपुर 6260435141 (42286)

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। सैलरी 4000 से 5000 समय (सुबह 10बजे से शाम 8बजे) सम्पर्क करें- राजीव प्लाजा के पास, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7880210386 (42265)

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 8357065592 8462933820

आवश्यकता है- घरेलू एवं ऑफिस हेतु दो कुशल एवं अनुभवी कार चालकों की आवश्यकता है योग्यता अनुभवी, जिम्मेदार वेतन-अनुभव एवं योग्यता अनुसार ड्राइविंग लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- मनोज शर्मा 98261 44199, 8085033344 (42274)

आवश्यकता है- सुपर बाजार में Tally Busy अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की एवं हेल्पर (लड़के, लड़कियां) बायोडाटा सहित अनुभवी सम्पर्क करें- अपना सुपर बाजार SBI ATM के पास, रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 7470592624 (42259)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिलिवरी हेतु लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (42278)

आवश्यकता है- हॉस्पिटल कार्य हेतु वार्ड बॉय की शीघ्र आवश्यकता है। पता- गजानन स्मृति चिकित्सालय, बलराम टॉकिज के पास, नेहरू नगर बिलासपुर 7247000111 (42271)

आवश्यकता है- दुकान में साफ सफाई, पैकिंग, आसपास के क्षेत्रों में सामान पहुंचाने हेतु बिलासपुर निवासी 8वीं से 12वीं पास, 18 से 25 वर्षीय युवक चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 98271 74503 (42283)

आवश्यकता है- (1) सुरक्षा गार्ड-28 वेतन 17000 (2) कप्यूटर ऑपरेटर-3 अनुभव 2वर्ष टेंडर कार्य, ऑन लाइन, जेम,ऑफलाइन वेतन 20000 (3) मार्केटिंग ऑफिसर- 4 वेतन 40000 अनुभव 3वर्ष मार्केटिंग कार्य योग्यता MA/MBA सम्पर्क करें- Alert sgs private limited कार्यालय प्रथम तल 06 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 77460 00016, 7747000016 (815)

आवश्यकता है- स्नाइडर इलेक्ट्रीक मल्टीनेशनल कम्पनी के चैनल पार्टनर को एकाउंटेंट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्स मैनेजर (Electrical Switchgear product) के लिए आवश्यकता है स्वयं का वाहन। बायोडाटा पर 9303023570 भेजे। (42280)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु असिस्टेंट एकाउंटेंट, अनुभवी सेल्समैन, पैकिंग एवं लोकल में माल छोड़ने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी, तेलीपारा, बिलासपुर (42263)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन एवं सेल्सगर्ल की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- महामाया बैग हाउस शॉप नम्बर बी-4 वृन्दावन परिसर तेलीपारा बिलासपुर (42260)

आवश्यकता है- काम करने वेटर, झाड़ू पोछा, साफ सफाई हेतु 18वर्ष से ऊपर के लड़कों कर्मचारी की। वेतन 10000 ग्रामीणों को निःशुल्क भोजन,आवास पता- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 9827940898 (42253)

आवश्यकता है- Zee Guard Solar Pvt.Ltd. को Manager HR, Marketing Manager, Counselor, फिल्ड ऑफिसर, सर्वेयर, ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 35000 सम्पर्क करें- नारायण प्लाजा, लिंक रोड बिलासपुर 6269222001, 8085045559 (42269)

वैवाहिकी
वर-वधु चाहिए

म.प्र. राजपूत समाज
9वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 13 दिसंबर 2026
महाराणा प्रताप भवन, चार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल -16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
पंजीयन हेतु अंतिम तिथि रविवार, 06 दिसंबर 2026
पंजीयन शुल्क 500 रुपए ऑनलाइन एवं 800 रुपए ऑफलाईन (पंजीयन शुल्क में राजपूत दर्पण पत्रिका का वैधार्षिक विशेषांक शामिल है।)
मो. 91790 81582, 98274 47630 98260 13148, 94250 84866, 98268 15124

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर अशोक नगर प्रत्याक्षा विहार कॉलोनी खमतराई में 1000 वर्गफीट चौरस डायवर्टेड छोटा, सुंदर प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- भूस्वामी 9589848485, 9300482612 (42270)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है- भारत माला प्रोजेक्ट के पास नेशनल हाईवे 130A रोड से लगा 150 फ्रंट बाऊंड्री वाल से घिरा लिमतरा खैरा रोड पर स्थित (एक एकड़) जमीन शीघ्र बेचना सम्पर्क करें- 8349054531 (42185)

किराये

किराया- बिलासपुर से तखतपुर रोड एवं गनियारी रोड में एक- दो एकड़ जमीन किराए पर चाहिए एवं कश्यप कॉलोनी में 1BHK या 2BHK मकान किराए पर चाहिए सम्पर्क करें- 7987266326 (42262)

MedicareSpecialists
सोरायसिस रोग (PSORIASIS)
प्राय: सर्दियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता या केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के गलत मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
शुरुवाती लक्षण
सोरायसिस रोग त्वचा संबंधित वर्ग अटिल रोग है, फिर में बिलकुल कुछ रुकी, एग्जी, पूरे शरीर में बिलकुल सूखा लाल सी चकत्ता के दाग, खारुश का लक्षण, जोड़ों में दर्द, उंगलियों का टेढ़ा होना।
सफेद दाग (VITILIGO)
शुरुवाती लक्षण
• हल्के रंग का छोटा सा धब्बा • किसी 1 खास जगह से रंग का उड़ना • त्वचा में सुखापन और खुजली • बालों का रंग उड़ना • चूप में त्वचा का लाल होना • किसी घाव या चोट के बाद सफेद होना
वायरो रिसर्च & स्कीन केयर सेंटर (आयुर्वेद)
सभी अटिल चर्म रोगों का स्थाई चिकित्सा आयुर्वेदीय के रस-रसायन में ही संभव है।
स्वरूप टीकिज मोहन नगर थाना के सामने, बजाज गोल्ड शोर

अंडर-19 एशिया कप : पाकिस्तान को हरा कर भारत 9वीं बार चैंपियन, मनाल-मोहित ने पलटी बाजी

एजेंसी ▶▶| अल अमेरत

एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 1 विकेट से हराया और नौंवी बार खिताब अपने नाम किया। पाकिस्तान से मिले 338 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने मैच की आखिरी गेंद पर 9 विकेट खोकर हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। आर्यवीर सहवाग और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने मिलकर पहले विकेट के लिए 17.4 ओवर में 95 रन जोड़े। आर्यवीर 61 गेंदों का सामना करने के बाद 58 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके लगाए। वहीं, लक्ष्य 101 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 80 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वीके विनीत अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 24 रन बनाकर आउट हुए।

अर्जुन राजपूत 16 रन ही बना सके, जबकि यशवर्धन चौहान 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़ 12 गेंदों में 19 रन बनाकर आउट हुए। आर्यन सावसानी भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और 9 रन बनाकर आउट हुए। काव्या पटेल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे।



मोहित ने लास्ट गेंद पर लगाया विजयी चौका

9वें विकेट के लिए मनाल चौहान और मोहित उल्वा ने 35 गेंदों में 57 रनों की साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा। मनाल पारी के 48वें ओवर में 32 गेंदों में 47 रन बनाने के बाद आउट हुए। उन्होंने अपनी इस महत्वपूर्ण पारी में 3 चौके और तीन छक्के लगाए। मनाल के आउट होने के बावजूद, मोहित क्रीज पर खड़े रहे और 26 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को जीत दिलाकर लौटे। मोहित ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 3 छक्के लगाए। भारतीय टीम को आखिरी गेंद पर 3 रनों की जरूरत थी, लेकिन मोहित ने शानदार चौका लगाकर टीम को यादगार जीत और खिताब दिलाया।

उस्मान खान ने लगाया शतक

इससे पहले, पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 337 रन बनाए। पाकिस्तान अंडर-19 टीम की शुरुआत बेहतरीन रही। हयाम खान और उस्मान खान ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 8.1 ओवर में 62 रन जोड़े। हयाम 23 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उस्मान ने अब्दुल कादिर के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 135 रन की बड़ी साझेदारी की। अब्दुल कादिर ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 54 गेंदों में 80 रन बनाए। उनकी पारी में 3 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। दूसरी ओर, उस्मान खान ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन शतक लगाया। उन्होंने 111 गेंदों पर 107 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। कप्तान फरहान यूसुफ ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया। उन्होंने 60 गेंदों में 63 रन की पारी खेली और 4 चौके तथा 3 छक्के लगाए। भारत की ओर से काव्या पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट लिए। चिगुरुपति वेंकट ने 40 रन देकर 3 विकेट झटके, जबकि अर्जुन राजपूत को 1 विकेट मिला।

खबर संक्षेप



सैफ चैंपियनशिप : भूटान को हराकर फाइनल में भारत

ढाका। गत चैंपियन भारत ने पीवी विष्णु और चिंगलेनसाना सिंह के गोल की बदौलत भूटान को 2-1 से हराकर सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। विष्णु ने आठवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। उन्होंने लंबे पास को नियंत्रित करने के बाद दाएं पैर से लगाए शॉट पर भूटान के गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। भारत ने 27वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। किपगेन की ओर से लिए गए कॉर्नर पर भूटान के खिलाड़ी गेंद को क्लीयर नहीं कर सके और इसका फायदा उठाते हुए चिंगलेनसाना ने नजदीक से शानदार गोल दाग दिया। भूटान ने 48वें मिनट में तोबदेन के गोल से वापसी की। ग्येल्तशेन के बॉक्स के अंदर से लगाए गए शॉट के बाद तोबदेन ने हेडर से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। यह मुकाबला सैफ चैंपियनशिप के इतिहास में वीएआर प्रणाली के पदार्पण का भी गवाह बना।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे आज

स्विंग की चुनौती, टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा, दांव पर सीरीज

मैच का समय
भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

भारतीय बल्लेबाज रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एकदिवसीय में स्विंग लेती गेंदों के सामने बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे क्योंकि इस मुकाबले से शृंखला का नतीजा भी तय होगा।

भारत को तेज गेंदबाजी की अनुकूल पिचों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भी उसे ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सीरीज में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रोहित, अय्यर

पूरे बल्लेबाजी क्रम की नाकामी को देखते हुए किसी एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। हालांकि रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर 5 मैच की इस शृंखला में अब तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। अय्यर का कप्तान के रूप में पदार्पण भी निराशाजनक रहा। हेनरी की शानदार गेंद पर रोहित चकमा खा गए और स्लिप में कैच दे बैठे जबकि अय्यर तेज गति से अंदर की ओर आई गेंद पर पगबाधा हो गए। केवल एक प्रारुप में खेलने वाले रोहित और विराट कोहली के लिए यह मुकाबला न्यूजीलैंड के संभवतः अपने आखिरी दौरे पर दर्शकों का मनोरंजन करने का अंतिम मौका हो सकता है।



न्यूजीलैंड के सामने करो या मरो का मुकाबला

दूसरी ओर न्यूजीलैंड के सामने शृंखला बराबर करने के लिए एक और करो या मरो का मुकाबला है। चौथे एकदिवसीय में अर्धशतक जड़कर सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अपने करियर को नई दिशा दी होगी जबकि स्लिप में दो बार कैच छूटने के बाद विल यंग ने शानदार शतक जड़ा। भारतीय तेज गेंदबाजों को शुरुआती 10 ओवर में सलामी बल्लेबाजों को हावी होने से रोकना होगा।

सात वर्षों में अपनी धरती पर सीरीज नहीं हारा न्यूजीलैंड

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले ब्रेट रैंडेल को बे ओवल में खेलने का मौका मिलता है। न्यूजीलैंड ने पिछले सात वर्षों से अपनी धरती पर कोई शृंखला नहीं गंवाई है और ऐसे में वह चोट खाए लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अपना यह रिकॉर्ड बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगाएगा।

जल्दी आउट होना चिंता का विषय : गंभीर

गंभीर ने कहा, 'ये ऐसी परिस्थितियां हैं, जो विश्व कप के दौरान मिलने वाली परिस्थितियों के सबसे करीब होंगी। बड़ी चिंता रन बनाने की नहीं है बल्कि यह है कि हम कितनी जल्दी आउट हो गए।



हम 26 या 27 ओवर में ही सिमट गए। यह हमेशा चिंता का विषय होता है।'

गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर : अय्यर

कप्तान अय्यर ने कहा कि दूसरी पारी में परिस्थितियां गेंदबाजों के काफी अनुकूल हो गई थीं लेकिन दोनों टीम के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले में प्रदर्शन में बड़ा अंतर था। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर 9 रन कर दिया था जबकि भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती पावरप्ले में कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। गुरनूर बरार और आकिब नबी ने दो-दो विकेट चटकाए लेकिन रन भी लुटाए। शृंखला का अपना पहला मुकाबला खेलने उतरे कुलदीप यादव के खिलाफ विल यंग ने जमकर रन बनाए। टेस्ट टीम से रिलीज किए गए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप न्यूजीलैंड दौरे का समापन यादगार प्रदर्शन के साथ करना चाहेंगे।

वैभव ने बनाया नया कीर्तिमान

15 साल की उम्र में कप्तानी का ताज



एजेंसी ▶▶| इंदौर

किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कप्तानी करते हुए पुरुष टी20 क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया।

सूर्यवंशी ने 15 साल और 232 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने क्रोएशिया के जैक वुकुसिक का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की थी। बिहार की टीम ने घरेलू टी20 प्रतियोगिता के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए युवा खिलाड़ी को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि इस मुकाबले में सूर्यवंशी बल्ले से खास योगदान नहीं दे सके। उन्होंने 12 गेंद में 18 रन बनाए और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे।

दलीप ट्रॉफी में संभाली थी पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तानी

होलकर स्टेडियम में टॉस जीतकर बिहार ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। यह नियुक्ति इस युवा खिलाड़ी के तेजी से बढ़ते करियर में एक और उपलब्धि है। उन्होंने महज 5 महीने पहले भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया था। उन्हें 2026-27 दलीप ट्रॉफी के लिए इशान किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र का उपकप्तान भी नियुक्त किया गया था। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के टी20 दौरे पर था, जहां उन्होंने दो मैच खेले और 49 रन बनाए। इस शृंखला में उनका 19 गेंद में 45 रन का योगदान खास रहा था।

कोलंबो में 'टेस्ट ट्वेंटी' की शुरुआत

कोलंबो। लड़कों और लड़कियों की टीमें मिलकर एक ही मैच के नतीजे में योगदान देंगी। क्रिकेट के इस नए मिश्रित प्रारुप 'टेस्ट ट्वेंटी' की शुरुआत हुई।

राशिफल

मेष मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

एशियाई कप : भारत ने गुआम को 12-0 से हराया

कुआलालंपुर। भारतीय टीम ने राज सिंह वाहेंगबाम और डल्लालमुआन गंगटे की हैट्रिक की बदौलत एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप मुकाबले में गुआम को 12-0 से करारी शिकस्त दी। यह भारत की टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। ग्रुप ई के इस मुकाबले में वाहेंगबाम ने चार गोल दागे। उन्होंने 55वें, 73वें, 83वें और 84वें मिनट में गोल किए। वहीं, गंगटे ने 13वें, 27वें और 32वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत के लिए अन्य गोल लियो थोंगबाम (पांचवां मिनट), ऋषिकेश मानवथी (20वां मिनट), डेविड मंगांग इरोम (53वां मिनट), फेलिक्स मीतई सैखोम (56वां मिनट) और रिस्टिक मैती (87वां मिनट) ने किए। लियो थोंगबाम ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

(1) निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-327-26-27-19 दिनांक: 10/11/2026
कार्यः बिलासपुर मंडल के अधिकार क्षेत्र में फ्लैश्ड इंसुलेटरों का प्रतिस्थापन (चरण-I).
निविदा मूल्यः रू. 57,70,945.48/-, बयाना राशिः रू. 1,15,400.00/-.

(2) निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-328-26-27-20 दिनांक: 10/11/2026
कार्यः बिलासपुर डिवीजन की मेन लाइन में झारसुगुड़ा-रायगढ़ सेक्शन के बीच ओवरहेड उपकरणों का आवर्धन।
निविदा मूल्यः रू. 4,98,12,166.15/-, बयाना राशिः रू. 9,96,300.00/-.
निविदा जमा करने की तिथि व समयः दिनांक 02/12/2026 के 15:00 बजे तक।
पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।
मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/491 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

केनफिन होम्स लिमिटेड
केनरा बैंक के पास, 36 सिटी मॉल के पास, मंगला चौक, बिलासपुर (छ.ग.), फो: 07752-404571, 7625079235, ईमेल: bilaspur@canfinhomes.com, CIN- L85110KA1987PLC008699

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु) (नियम-8(1) के अंतर्गत)
यतः अधोहस्ताक्षरी ने केनफिन होम्स लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पूर्णगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के तहत प्रदूत अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ता- श्री सुरेंद्र कुमार पटेल एवं सह-उधारकर्ता- श्रीमती ज्योति पटेल, दिनांक 03/09/2026 को डिमांड नोटिस जारी किया, जिसमें ऋणि को देय नोटिस में उल्लेखित राशि रु. 25,86,647/- (रुपये पच्चीस लाख छियासी हजार छह सौ सैंतालीस मात्र) + संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज के साथ से 60 दिनों के भीतर जमा करने के लिए कहा गया था।
ऋणि द्वारा राशि के भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋणि एवं आम जनता को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के अधीन, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ने उसको प्रदूत शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित संपत्ति को दिनांक 09/09/2026 को अपने कब्जे में लिया है। ऋणि को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतद् द्वारा सावधान किया जाता है कि इस संपत्ति बाबत कोई व्यवहार न करें और इस संपत्ति के बाबत् किये गये व्यवहार पर केनफिन होम्स लिमिटेड बैंक को देय राशि रु. 25,86,647/- (रुपये पच्चीस लाख छियासी हजार छह सौ सैंतालीस मात्र) तथा उस पर ब्याज के अध्यधीन होगें।
देनदारों का ध्यान रक्षित संपत्ति को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय हेतु अधिनियम की धारा 13की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।
अचल संपत्ति का विवरण
खसरा नंबर 24/15 (म्यूटेशन के बाद खसरा नंबर 24/20), प.ह.नंबर - 44, प्लॉट का क्षेत्रफल 1120 वर्गफुट, गाँव हाफा, आर.एन.एम. सकरी, जिला- बिलासपुर (छत्तीसगढ़) पर स्थित संपत्ति। सीमाएँ: पूर्व - सड़क, पश्चिम - नारंग की भूमि, उत्तर - सड़क, दक्षिण - विक्रेता की शेष भूमि।
दिनांक- 14.11.2026 हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी
स्थान- बिलासपुर केनफिन होम्स लिमिटेड

Vacancy Notice No. CRCL/HR/VC/26-27/01/1106 and CRCL/HR/VC/26-27/02/1107 dated 12.11.2026

Chhattisgarh Railway Corporation Limited (CRCL), a joint venture of Ministry of Railways (MoR) and Government of Chhattisgarh invites applications from qualified and experienced candidates purely on temporary and Contractual basis for the following posts:
1. Advisor/Consultant-Forest (One Post).
2. Advisor/Consultant-Revenue (One Post)

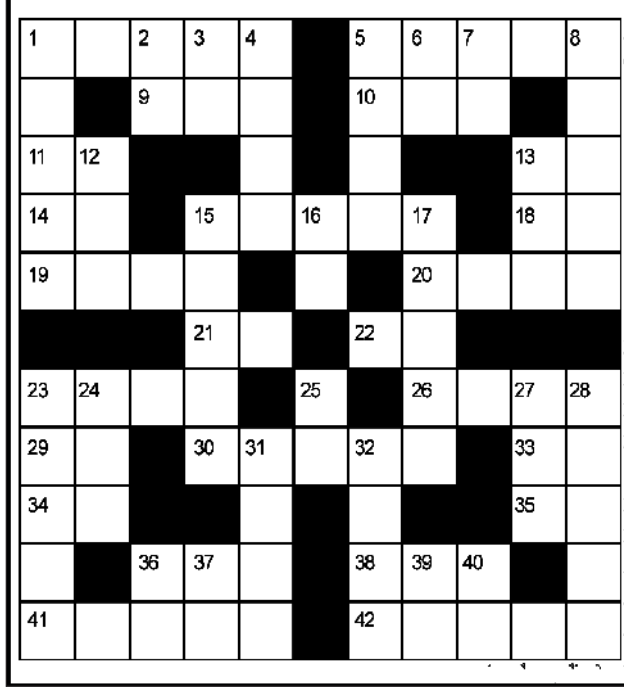
Last Date of Submission of application: 23/11/2026, 05:00 PM
Details available at the following website: -
http://https://cgstate.gov.in

S-49785

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
अधिसूचना

क्रमांक का. मुख्या./राज./ चिकित्सा/33841/1111, दिनांक- 12.11.2026
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/बिलासपुर के केंद्रीय अस्पताल में पूर्णतः वार्षिक अनुबंध के आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए 01 मानद विजिटिंग स्पेशलिस्ट (Honorary Visiting Specialist)/रेडियोलॉजी के नियोजन हेतु अधिसूचना जारी की गई है। पात्रता, योग्यता, आयु, अनुभव, नियम एवं शर्तों आदि से संबंधित विस्तृत विवरण के लिए कृपया दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) की वेबसाइट **http://secr.indianrailways.gov.in** पर नीचे दिए गए पाथ (path) के माध्यम से लॉग ऑन करें -
Offerings - Recruitments HQ. - GAZ Section
सहायक कार्मिक अधिकारी/मुख्यालय
सीपीआर/10/495 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

शब्द पहेली - 6407



बाएँ से दाएँ
1.वश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्ग-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 6406 का हल

सा	ल		ब	ला		य	म		श	र
या		क	ल		जो	श		जा	य	ज
	कै	द		श	र		का	न	न	
न	दी		खे	मा		का	त	ना		जा
म		जा	ल		का	य	र		ता	ल
	मा	न		र	म	ल		का	ला	
का	या		बी	न	ना		रा	म		सी
र		क	ह	र		शो	र		बा	धा
	की	च	इ		सा	ला		री	त	
क	म	ल		ख	र		सी	ता		द
म	त		जी	त		मा	मा		दा	म

सूडोकु नवताल - 6417

कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6416 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4



अमेरिकी परिवार में एक ही तारीख पर हुआ पांचवीं पीढ़ी का जन्म, बना विश्व रिकॉर्ड

न्यूयार्क। किसी परिवार में एक ही दिन 2 लोगों का जन्मदिन होना संजोग हो सकता है। हालांकि, अगर ऐसा बार-बार हो तो यह किसी अजूबे से कम नहीं कहलाएगा। ऐसा ही कुछ अमेरिका के हार्लो परिवार में हुआ है, जहां उनकी पांचवी पीढ़ी का जन्म एक ही तारीख पर हुआ है। 14 सितंबर, 2025 को आर्थर बेल का जन्म हुआ तो उनके माता-पिता खुशी से फूले नहीं समाए। आइए जानते हैं इसी तारीख पर उनके परिवार में किस-किस का जन्मदिन पड़ा।

1907 से 2025 तक जन्मीं 5 पीढ़ियां

इस परिवार में 1997 में 14 सितंबर को ही आर्थर की मां एमा का जन्म हुआ था और इसी तारीख को 1972 में उनके नाना डोनाल्ड पैदा हुए थे। आर्थर की परनानी एडी भी 14 सितंबर, 1949 को पैदा हुई थीं। एडी के दादा विल्बर इसी तारीख को 1907 में जन्मे, जिससे यह परंपरा शुरू हुई। 14 सितंबर, 2025 को आर्थर बेल का जन्म हुआ। अब आर्थर के जन्म के बाद, इस परिवार को इतिहास में एक ही दिन पैदा हुई सबसे ज्यादा पीढ़ियों के लिए गिनीज विश्व रिकॉर्ड दिया गया है।



हम इस रिकॉर्ड के अकेले धारक हैं : एमा

आर्थर की मां एमा ने बताया, हमें एक तरह से हमेशा से पता था कि हमारे पास 4 पीढ़ियों का रिकॉर्ड है। बस हमने कभी इसके लिए आवेदन नहीं किया, क्योंकि हमारी चाहत थी कि 14 सितंबर को पांचवीं पीढ़ी भी इसमें शामिल हो जाए। हमने आवेदन किया, देर से ही सही, पर किया तो। अब हम इस रिकॉर्ड के अकेले धारक हैं, न कि इसे किसी और के साथ साझा करने वाले।

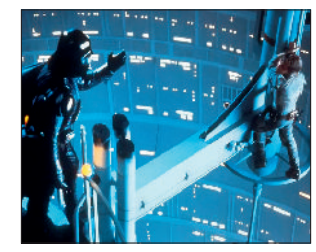
कैसे हुआ यह संजोग?

एमा ने बताया कि उन्हें इस संजोग के अनोखेपन का एहसास तब भी था, जब उनकी 4 पीढ़ियां लगातार 14 सितंबर को पैदा हुई थीं।हालांकि, जब उन्हें पता चला कि उनके बेटे के जन्म की संभावित तारीख भी उसी खास दिन पड़ सकती है तो उन्होंने आधिकारिक रिकॉर्ड के लिए गिनीज बुक से संपर्क किया। इस परिवार में एक पीढ़ी लड़का तो अगली पीढ़ी लड़की पैदा हुई और यह क्रम आर्थर तक जारी रहा।

परिवार वाले आर्थर को मानते हैं 'चमत्कारी'

आर्थर के नाना डोनाल्ड ने कहा, ईश्वर बहुत सुंदर ढंग से काम करते हैं। एमा ने आगे कहा, यह एक अजीब संयोग जैसा लगा और उससे भी बड़ी बात यह कि इससे 'लड़का-लड़की-लड़का-लड़की-लड़का' वाला क्रम भी बना रहा। उनका परिवार इस संजोग को भगवान का एक अजूबा मानता है और आर्थर को 'चमत्कारी लड़का' कहते हैं। परिवार इस उपलब्धि से बेहद खुश है और इसका जश्न भी मना रहा है।

'स्टार वार्स' में इस्तेमाल हुआ डार्थ वेडर का 'लाइटसेबर' हुआ 45 करोड़ में नीलाम



न्यूयार्क। स्टार वार्स एक अमेरिकी फिल्म फ्रेंचाइज है, जो दुनियाभर में मशहूर है। इसकी 2 मशहूर फिल्मों में डार्थ वेडर ने जिस लाइटसेबर का इस्तेमाल किया था, उसकी नीलामी ने लोगों को हैरान कर दिया है। यह लगभग 45 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ है। यह स्टार वार्स की सबसे महंगी बिकने वाली कलेक्टिबल वस्तु बन गई है। आइए इसकी नीलामी के बारे में विस्तार से जानते हैं और इसकी खासियत पर चर्चा करते हैं।

इस बिक्री ने तोड़ा पिछला रिकॉर्ड : नीलामीघर ने अपने बिक्री कैटलॉग में कहा कि वह इस बात की पुष्टि नहीं कर पाए कि क्या इस लाइटसेबर का इस्तेमाल 1977 की मूल फिल्म 'अ न्यू होप' में भी किया गया था या नहीं। हालांकि, ऐसा संभव हो सकता है। इससे पहले जुलाई महीने में हेरिटेज ऑक्शन्स ने इस फ्रेंचाइज का एक अन्य लाइटसेबर नीलाम किया था, जो 35 करोड़ रुपये में बिका था। अब इसका रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया लाइटसेबर सबसे महंगा बिका है।

खास तरह से बनाई गई थी यह लाइटसेबर

नीलामीघर के मुताबिक, डार्थ वेडर के लाइटसेबर पर ऐसे नुकसान के निशान थे, जो लड़ाई में इस्तेमाल होने वाले प्रॉप से मेल खाते हैं। इनमें खरोंचें, एक दरार, ऊपरी भाग का एक गायब हिस्सा और कुछ हद तक टूटा हुआ हैंडल शामिल है। इस लाइटसेबर को 1950 के दशक के ब्रिटिश 'माइक्रो प्रिसिजन प्रोडक्ट्स' वाले कैमरा फ्लैश अटैचमेंट से बनाया गया था। इसकी प्रेरणा 'राजा आर्थर' की कहानियों से ली गई थी।

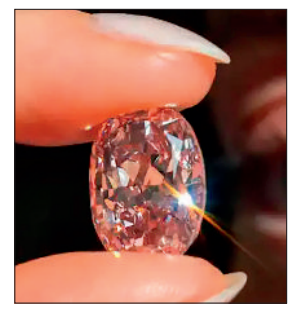
रंगों की पहचान कर लेता है यह होनहार तोता

नई दिल्ली। तोते सबसे होनहार पक्षी माने जाते हैं, जो इंसानों की तरह बोलना सीख लेते हैं। अगर उन्हें सही प्रशिक्षण दिया जाए तो वे अन्य कारनामे करने में भी सक्षम हो जाते हैं। इस बात को चीन के एक व्यक्ति के पालतू तोते ने सच साबित करके दिखाया है। इस चतुर तोते का नाम 'जियाओगुई' है, जो रंगों की पहचान कर लेता है। इसी हुनर के जरिए उसने विश्व रिकॉर्ड कायम करके गिनीज बुक में अपना नाम शुमार कर लिया है। इस तोते के मालिक का नाम किन फेंग है, जिन्होंने जियाओगुई को इतना होनहार बनाया है। इस बुद्धिमान पक्षी ने 'तोते द्वारा सबसे जल्दी 10 रंगों की पहचान' करने का विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। उसने यह कारनामा महज 33.50 सेकंड में कर दिखाया, जो वाकई कबीले तारीफ है। यह रिकॉर्ड प्रयास नवंबर 2024 में चीन के हेनान में किया गया था। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा 14 अगस्त 2025 को की गई है।



'हीरों की मोनालिसा' कहलाने वाला गुलाबी हीरा 124 करोड़ में बिका, क्या है भारत से संबंध?

जिनेवा। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में एक गुलाबी रंग वाला हीरा बिका है, जिसे 'हीरों की मोनालिसा' नाम से जाना जाता है। इस हीरे का नाम 'बुल्गारी पिंक' है और यह नीलामी के दौरान 124 करोड़ रुपये में बिका है। सबसे खास बात यह है कि यह भारत से ताल्लुक रखता है और बिक्री के बाद से काफी चर्चा में आ गया है। इस हीरे ने कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए हैं। आइए जानते हैं कि इसका भारत से क्या संबंध है।



भारत से खरीदा गया था यह नायाब हीरा : यह बेशकीमती हीरा लगभग 70 साल से एक परिवार के पास था, जिन्होंने 10 नवंबर को इसे नीलाम करवाया। इसे 1950 के दशक में भारत की मशहूर गोलकुंडा खदानों से खरीदा गया था, जिनमें से कोहिनूर जैसे कई विश्व प्रसिद्ध हीरे निकले थे। इसे विक्रेता के परदादा-परदादी ने 1950 के दशक में खरीदा था और बाद में इसे रोम में बुलगारी ले जाकर अंगूठी में जड़वाया गया था। इसकी नीलामी क्रिस्टीज नाम के नीलामीघर ने करवाई है।

24 कैरेट का है यह दुर्लभ हीरा: नीलामीघर को उम्मीद थी कि यह हीरा 100 से 151 करोड़ रुपये के बीच बिक सकता है। हालांकि, बेचने वाले परिवार के साथ-साथ सभी के होश उड़ गए, जब इसकी कीमत 124 करोड़ रुपये लगी। 24 कैरेट का यह हीरा न केवल अपने आकार, बल्कि अपने जीवंत रंग के लिए भी नायाब माना जा रहा है। इसके विशाल आकार का इसके गुलाबी रंग पर कोई असर नहीं नजर आया है, जो आम तौर पर देखने को मिलता ही है।

क्या है हीरे की खासियत?

यह हीरा 'टाइप-**IIa**' श्रेणी का है, जो बेहद दुर्लभ है। इसमें नाइट्रोजन या बोरॉन जैसी अशुद्धियां नहीं पाई गई हैं। इसे 'फैंसी इंटेंस पिंक' के रूप में भी वर्गीकृत किया गया है, जो कि रंगों की एक बहुत ही मांग वाली श्रेणी है। जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका में रिसर्च और पहचान विभाग के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट डॉ वुयी वांग ने कहा, गुलाबी हीरे दुर्लभ होते हैं, लेकिन रत्नों के बीच इस आकार और गुणवत्ता वाला हीरा बहुत ही दुर्लभ है।

शिमला में नोटों से भरा पैकेट लेकर भागे बंदर ने पेड़ से कर दी रुपयों की बारिश

नई दिल्ली। बंदर मस्तीखोर जानवर होते हैं, जो अक्सर लोगों की चीजें छीनकर भाग जाते हैं। शिमला में एक व्यक्ति के साथ ऐसा ही हुआ। दरअसल, उपायुक्त कार्यालय परिसर में एक बंदर ने एक व्यक्ति की जेब से 81,800 रुपये वाला पैकेट छीन लिया और उसे लेकर पेड़ पर चढ़ गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। बंदर ने पेड़ से पैसों की बारिश भी की। व्यक्ति जेब में पैसों से भरा पैकेट लेकर उन्हें बैंक में जमा करवाने जा रहा था। तभी अचानक बंदर उस पर लपका और पैसे लेकर उड़न-छू हो गया। पेड़ पर बैठा बंदर पैकेट से एक-एक कर नोट निकालकर जमीन पर फेंकने लगा। कुछ ही मिनटों में, पेड़ के नीचे हजारों रुपये बिखर गए। वहां मौजूद लोग तुरंत पैसे बटोरने के लिए दौड़े। हालांकि, लोगों ने लालच करने के बजाय पैसे जमा करके व्यक्ति को वापस लौटाए। कार्यालय परिसर में मौजूद लोगों ने तुरंत जमीन पर बिखरे नोट एकत्रित किए। काफी मशक्कत के बाद, ज्यादातर पैसे वापस मिल गए और व्यक्ति को सौंप दिए गए। हालांकि, व्यक्ति ने बताया कि उन्हें अभी भी लगभग 1,500 रुपये का हिसाब नहीं मिल पा रहा है। बंदर ने अपनी शरारत में कुछ नोट फाड़ भी दिए थे, जिससे और नुकसान हुआ। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मई, 2026 को ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से सामने आया। यह घटना तब हुई जब एक व्यक्ति संपत्ति पंजीकरण का काम पूरा करने के लिए अदालत पहुंचा था। उनका 2 लाख रुपये से भरा बैग रवींद्र लोधी नामक व्यक्ति के पास था, जिसे एक बंदर ने छीन लिया और नीम के पेड़ पर चढ़ गया। उसने खाना ढूंढने के चक्कर में पैसे फेंकने शुरू किए।









हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :